मेडिकल की नीट परीक्षा में धांधली की आशंका को लेकर देश भर में उठ रही आवाजों के मद्देनजर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस ने की सुप्रीम कोर्ट निगरानी में फारेंसिक जांच की मांग, खरगे ने पीएम मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 42 दिनांक:15-06-2024 शनिवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

गुजरात के वडोदरा से मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत एक मुस्लिम महिला को मिले फ्लैट का सोसाइटी के लोगों ने विरोध किया है। 44 वर्षीय मुस्लिम महिला उद्यमिता और कौशल विकास मंत्रालय की एक ब्रांच में कार्यरत है।

लोकसभा चुनाव खत्म होते ही महंगाई पकडऩे लगी रफ्तार

:दूध, टोल के बाद खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़े,थोक महंगाई 15 महीनों के ऊपरी स्तर पर..मई में 2.61 प्रतिशत पर पहुंची, फरवरी 2023 में 3.85 प्रतिशत रही थी,अब महंगाई से दो-दो हाथ की बारी ,-बढ़ता खर्चा और घटती आमदनी, महंगाई की व्यवस्था में पिस रहा है मध्यवर्गीय परिवार

नई दिल्ली (ईएमएस)। मई में थोक महंगाई बढक़र 15 महीनों के ऊपरी स्तर पर पहुंच गई है। आज यानी 14 जून को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार मई में थोक महंगाई बढक़र 2.61 प्रतिशत पर पहुंच गई है। फरवरी 2023 में थोक महंगाई दर 3.85 प्रतिशत रही थी। वहीं अप्रैल 2024 में महंगाई 1.26 प्रतिशत रही थी, जो 13 महीने का उच्चतम स्तर था। इससे एक महीने पहले मार्च 2024 में ये 0.53 प्रतिशत रही थी। फरवरी में थोक महंगाई 0.20 प्रतिशत रही थी। उधर, बुधवार को रिटेल महंगाई में गिरावट देखने को मिली थी।

दरअसल, लोकसभा चुनाव खत्म होते ही देश की जनता को महंगाई से दो-दो हाथ करने का समय आ गया है। जून का पहला सोमवार जनता के लिए महंगाई का ट्रिपल डोज लेकर आया है। देश की सबसे बड़ी दूध उत्पादन कंपनी अमूल इंडिया और मदर इंडिया ने दूध के दाम बढ़ा दिया है। वहीं एनएचआई ने भी टोल दरों में 5 फीसदी की वृद्धि कर दी है। जानकारों का कहना है कि नई सरकार के गठन के साथ ही महंगाई का करंट और बढ़ जाएगा। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद आम लोगों के बीच दूसरा सवाल भी रेंगने लगा है। दरअसल, लोकसभा चुनाव खत्म होते ही महंगाई का करंट लगना शुरू हो गया है। खाद्य पदार्थों के साथ ही आवष्यक वस्तुओं के दाम बढऩे लगा है। जानकारों का कहा है कि आने वाला समय महंगाई से दो-दो हाथ करने वाला रहेगा।

मई में खाद्य महंगाई दर 1.88 प्रतिशत बढ़ी

खाद्य महंगाई दर अप्रैल के मुकाबले 5.52 प्रतिशत से बढक़र 7.40 प्रतिशत हो गई। रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई दर 5.01 प्रतिशत से बढक़र 7.20 प्रतिशत हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 1.38 प्रतिशत से घटकर 1.35 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर -0.42 प्रतिशत से बढक़र 0.78 प्रतिशत रही। इससे पहले 12 जून को मई के रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी हुए थे। इसके अनुसार मई में रिटेल महंगाई 4.75 प्रतिशत रही। यह 12 महीने का निचला स्तर है। वहीं एक महीने पहले यानी अप्रैल में रिटेल महंगाई घटकर 4.83 प्रतिशत पर आ गई थी।

मध्यवर्गीय परिवार सबसे परेशान

पिछले कुछ वर्षों से देश के परिवारों, खासकर मध्यवर्गीय परिवारों का व्यय लगातार बढ़ रहा है। इस अनुपात में उनकी आय में वृद्धि नहीं हो रही, इस कारण उनकी बचत भी निरंतर घट रही है। हाल ही में सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों में बताया गया कि देश में परिवारों की शुद्ध बचत पिछले तीन वर्षों में नौ लाख करोड़ रुपए से अधिक घटकर वित्तवर्ष 2022-23 में केवल 14.16 लाख करोड़ रुपए रह गई। मंत्रालय द्वारा जारी ताजा राष्ट्रीय खाता सांख्यिकी 2024 के अनुसार वित्तवर्ष 2020-21 में परिवारों की शुद्ध बचत 23.29 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई थी, और उसके बाद से इसमें लगातार गिरावट आ रही है। वित्तवर्ष 2021-22 में देश के परिवारों की शुद्ध बचत घटकर 17.12 लाख करोड़ रुपए रह गई। यह पिछले पांच वर्षों में बचत का सबसे निचला स्तर है। बचत घटने का सबसे बड़ा कारण परिवारों के जीवन निर्वाह व्यय और अन्य व्ययों में बढ़ोतरी है। जीवन निर्वाह व्यय किसी एक खास स्थान और समय अवधि के दौरान आवास, भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा, कर जैसे मूलभूत व्ययों के लिए जरूरी धन की मात्रा है। अगर देश में महंगाई बढ़ती है तो इनके लिए किए जाने वाले खर्च की राशि भी बढ़ती है। बढ़ी हुई महंगाई गरीब, मध्यवर्गीय और गरीबी से नीचे के लोगों को प्रभावित करती है। महंगाई का सबसे बुरा असर गरीब वर्ग पर पड़ता है।

दैनिक उपयोग की वस्तुएं महंगी

दैनिक उपभोग की वस्तुओं के मूल्य में बढ़ोतरी से आम भारतीय परिवारों की जीवन स्तर निरंतर गिरता जा रहा है। हालांकि सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए जाने वाले थोक और खुदरा महंगाई दर के आंकड़ों के अनुसार महंगाई घटती हुई प्रतीत होती है, लेकिन बाजार में वह कहीं नजर नहीं आती। व्यवहार में छोटी-मोटी वस्तुएं, जो कुछ वर्ष पहले रुपए-दो रुपए में मिलती थी, पहले वह पांच रुपए की हुई, अब दस रुपए की है। दस रुपए एक तरह से मुद्रा की न्यूनतम इकाई हो गई है। इस तरह छोटी-मोटी वस्तुओं की कीमत पांच से दस गुना तक बढ़ गई। पिछले कुछ वर्षों में यह चलन आम हो गया है कि बाजार में वस्तुओं की कीमत बढ़ी हुई न दिखे, इसलिए निर्माताओं ने मूल्य वही रखते हुए उसकी मात्रा या वजन घटा दिया। इससे वह जल्दी-जल्दी समाप्त होने लगी, बार-बार खरीदने की जरूरत के चलते जिस वस्तु का मूल्य घटा हुआ दिखता है, वह वास्तव में पहले से ज्यादा महंगी पडऩे लगी है।

भारत में महंगाई के आंकड़ें

अगर बात भारत में महंगाई के आंकड़ों की करें तो लगातार दो महीने से रिटेल महंगाई 5 फीसदी से नीचे देखने को मिली है। मार्च के महीने में रिटेल महंगाई 4.85 फीसदी पर थी। उसके बाद अप्रैल में खुदरा महंगाई के आंकड़ें 4.83 फीसदी पर दिखाई दिए थे। देश में अप्रैल के महीने में खुदरा महंगाई 11 महीने में सबसे कम देखने को मिली थी। वहीं देश में बीते 8 महीने से खुदरा महंगाई के आंकड़ें 6 फीसदी से कम देखने को मिल रहे हैं। जून के महीने में महंगाई के आंकड़ें थोड़ें और कम देखने को मिल सकते हैं। आंकड़ा 4.50 फीसदी पर आ सकता है। आरबीआई के अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में महंगाई के आंकड़ें 4.5 फीसदी पर रह सकते हैं। जोकि वित्त वर्ष 2023-24 में 5.4 फीसदी और 2022-23 में 6.7 फीसदी देखने को मिले थे।

रांची-सासाराम इंटरसिटी में आग की अफवाह,3 की मौत और कई घायल

लातेहार। बरकाकाना बरवाडीह रेलखंड अंतर्गत कुमण्डीह रेलवे स्टेशन के समीप रेल हादसे में कई लोगों के मृत्यु की सूचना है। जानकारी के अनुसार रांची से सासाराम जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस लातेहार रेलवे स्टेशन से 14 किमी आगे बढ़ी कुमण्डीह रेलवे स्टेशन के समीप ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच सूचना फैली कि ट्रेन में आग लग गई है। इस सूचना के बाद ट्रेन की गति कम ही हुई थी, तभी कुछ लोगों ट्रेन ट्रेन से छलांग लगा दी। तभी विपरीत दिशा से आ रही मालगाड़ी की चपेट में आने से 3 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में तीन लोगों के मृत्यु की पुष्टि हुई है, जिसमें दो पुरुष और एक महिला शामिल है।

संघ के नेता के बयान पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया.....उन्हें कौन गंभीरता से लेता है

नई दिल्ली (ईएमएस)। आरएसएस के वरिष्ठ सदस्य इंद्रेश कुमार की भाजपा और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी इंडिया गुट दोनों की आलोचना पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में आई। कांग्रेस पार्टी ने कहा कि आरएसएस को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि आरएसएस को कौन गंभीरता से लेता है?

पीएम मोदी उन्हें गंभीरता से नहीं लेते तब हम क्यों लें? कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि यदि वह बोलने के समय पर बोलते तब हर कोई उन्हें गंभीरता से लेता। उस समय वे (आरएसएस) चुप रहे। संघ ने भी सत्ता का आनंद लिया।

दरअसल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेता कुमार ने भाजपा को उसके अहंकार के लिए और इंडिया ब्लॉक को राम-विरोधी होने के लिए नारा दिया। हालांकि कुमार ने अपने भाषण में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन यह स्पष्ट था कि वह किसके बारे में बात कर रहे थे, क्योंकि उन्होंने प्रत्येक पक्ष द्वारा जीती गई लोकसभा सीटों की संख्या का उल्लेख किया था। पार्टी भक्ति करती थी लेकिन अहंकार करती थी, वह 241 (240) पर रुक गई, लेकिन वह सबसे बड़ी पार्टी बन गई।

आरएसएस नेता ने कहा कि राम हर 100 साल में अपने राज्य में अश्वमेध यज्ञ करते थे, ताकि उनके राज्य में कोई भूखा न रहे, कोई वंचित न रहे, कोई शिक्षा के बिना न रहे, कोई दुखी न रहे। उन्होंने कहा कि राम का जितना बड़ा राज्य था, आज तक किसी का नहीं हुआ।

थोक मुद्रास्फीति मई में बढ़कर 2.61 प्रतिशत हुई , थोक मुद्रास्फीति अप्रैल में 7.74 प्रतिशत थी

नई दिल्ली (ईएमएस)। खाने पीने की वस्तुओं ?विशेषकर सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में बढोतरी की वजह से थोक मुद्रास्फीति मई में लगातार तीसरे महीने बढ़कर 2.61 प्रतिशत हो गई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल में 1.26 प्रतिशत थी। मई 2023 में यह शून्य से नीचे 3.61 प्रतिशत रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि मई 2024 में मुद्रास्फीति बढ़ने का मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, कच्चे पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस, खनिज तेल, अन्य विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि रहा। आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति मई में 9.82 प्रतिशत बढ़ी, जबकि अप्रैल में यह 7.74 प्रतिशत थी। मई में सब्जियों की महंगाई दर 32.42 प्रतिशत रही, जो अप्रैल में 23.60 प्रतिशत थी। प्याज की महंगाई दर 58.05 प्रतिशत, जबकि आलू की महंगाई दर 64.05 प्रतिशत रही। दालों की महंगाई दर मई में 21.95 प्रतिशत रही। ईंधन एवं बिजली क्षेत्र में मुद्रास्फीति 1.35 प्रतिशत रही, जो अप्रैल के 1.38 प्रतिशत से मामूली कम है। विनिर्मित उत्पादों में मुद्रास्फीति 0.78 प्रतिशत रही, जो अप्रैल में शून्य से नीचे 0.42 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक में मई में वृद्धि महीने के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों के विपरीत है। इस सप्ताह की शुरुआत में जारी आंकड़ों के अनुसार मई में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 4.75 प्रतिशत पर आ गई जो एक साल का सबसे निचला स्तर है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है। आरबीआई ने इस महीने की शुरुआत में लगातार आठवीं बार ब्याज दर को यथावत रखने का फैसला किया था।

509 सिख तीर्थयात्री जाएंगे पाकिस्तान

जालंधर (ईएमएस)। शान ए पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर पाकिस्तान ने तीर्थयात्रियों का वीजा अप्रूव किया है। दिल्ली में स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने इसकी जानकारी सांझा की है। 21-30 जून 2022 तक पाकिस्तान में महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर होने वाली वार्षिक वर्षगांठ में शामिल होने के लिए भारत के सिख तीर्थयात्रियों को 509 वीजा जारी हुए हैं। यात्रा के दौरान तीर्थयात्री पुण्यतिथि कार्यक्रम में शामिल होने के साथ-साथ पांजा साहिब, ननकाना साहिब और श्री करतारपुर साहिब जाएंगे। वे 21 जून को पाकिस्तान में प्रवेश करेंगे और 30 जून 2022 को भारत लौट आएंगे।

कुवैत से शव लेकर लौटे विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन बोले- घटना को कुवैती सरकार ने गंभीरता से लिया

कोचीन,(ईएमएस)। कुवैत की एक बिल्डिंग में लगी भीषण आग में 45 प्रवासी मजदूरों के शवों को लेकर भारतीय वायु सेना का एक विमान आज कोच्चि में उतरा। हादसे में मारे गए लोगो के शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए हैं। सी-130जे परिवहन विमान शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। विमान में मौजूद विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह, जिन्होंने मृत शवों की शीघ्र स्वदेश वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने कहा कि कुवैती सरकार ने आग की घटना को गंभीरता से लिया है।

कीर्तिवर्धन ने कहा कि वे पूछताछ कर रहे हैं कि यह हादसा कैसे हुआ ताकि इस तरह की दुखद घटना दोबारा न हो। उन्होंने मृतकों के परिजनों को सभी कागजी कार्रवाई का भी आश्वासन दिया है। शुक्रवार सुबह सीआईएएल पहुंचने के बाद, 45 निकायों के लिए सभी सीमा शुल्क, आव्रजन और हवाईअड्डा स्वास्थ्य कार्यालय प्रक्रियाएं पूरी की गईं। केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के 31 शव यहां उतारे गए। मंजूरी के बाद बाकी 14 शवों को घरेलू उड़ान वाले विमान से ही दिल्ली भेज दिया गया ।

विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन ने कहा कि वह इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। यह बहुत दुखद घटना है और हम सभी इससे बहुत दुखी हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही हमारी सरकार को पता चला कि यह घटना हुई है, पीएम मोदी ने एक बैठक बुलाई और तुरंत कुवैत पहुंचने और हर संभव कदम उठाने का निर्देश दिए ताकि घटना में मृत लोगों के शव जल्द से जल्द भारत लाए जा सकें।

मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, अन्य शीर्ष मंत्रियों और विपक्षी नेताओं ने केरल के रहने वाले मृतकों के पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी और अन्य नेताओं ने कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कुवैत में आग लगने की घटना के पीड़ितों के शवों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

संघ दिखा रहा भाजपा को आईना..... बयान सीनियर नेताओं को चुभ रहे

जयपुर (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी भारतीय जनता पार्टी पर लगातार हमलावार हैं। पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर हिंसा को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा था। अब कार्यवाहक सरसंघचालक इंद्रेश कुमार ने भी करारा तंज कसा है। संघ पदाधिकारियों के बयानों से लोग सोच रहे हैं कि संघ हमेशा से भाजपा का समर्थक रहा है। अब अचानक ऐसा क्या हुआ कि बीजेपी के खिलाफ बयान दिए जा रहे हैं। दरअसल यह सब अचानक नहीं हुआ है।

दरअसल 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। इस समारोह को बीजेपी ने बड़े उत्सव के रूप में मनाया। भले ही भगवान श्रीराम करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं, लेकिन राम मंदिर का काम पूरा होने से पहले प्राण प्रतिष्ठा समारोह होने पर शंकराचार्यों ने आपत्ति जाहिर की थी। शंकराचार्यों का कहना था कि चुनावी फायदे के लिए बीजेपी मंदिर का निर्माण कार्य पूरा होने से पहले ही प्राण प्रतिष्ठा करा रही है। यह उचित नहीं है। वरिष्ठ पत्रकार और राजनैतिक विश्लेषक का कहना है कि संघ भी शंकराचार्यों की बात से सहमत थे लेकिन प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर संघ कुछ नहीं कर सका। बीजेपी और संघ के बीच की दूरियां तभी से शुरू हो गई थी।

लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद नागपुर में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संघ के कार्यकर्ता विकास वर्ग के समापन में ऐसी ही नसीहत दी थी। जो शायद बीजेपी के कई सीनियर नेताओं को चुभ गई होगी। उन्होंने कहा जो मर्यादा का पालन करते हुए कार्य करता है, गर्व करता है, किन्तु लिप्त नहीं होता, अहंकार नहीं करता,वहीं सही अर्थों में सेवक कहलाने का अधिकारी है। संघ प्रमुख भागवत ने कहा जब चुनाव होता है, तब मुकाबला जरूरी होता है। दूसरों को पीछे धकेलना भी होता है, लेकिन इसकी एक सीमा होती है। यह मुकाबला झूठ पर आधारित नहीं होना चाहिए।

दरअसल चुनाव के चौथे चरण की वोटिंग के बाद बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा का एक बयान आया था। उन्होंने कहा, शुरुआत में हम कम सक्षम थे। तब हमें संघ की जरूरत पड़ती थी। अब हम सक्षम हैं। आज बीजेपी खुद अपने आप को चलाती है। इस बयान में बीजेपी और संघ के बीच जो खींचतान चल रही थी, उसकी झलक साफ दिखी। राजनैतिक जानकार का कहना है कि संघ हिंदूवादी संगठन है, जो सभी हिंदुओं को साथ लेकर चलना चाहता है। संघ हमेशा धर्म गुरुओं और शंकराचार्यों के फैसलों से पक्ष में खड़ा रहा है।

मणिपुर में विस्थापितों के पुनर्वास का प्रयास शुरु, कैबिनेट उप-समिति का गठन

इंफाल (ईएमएस)। मणिपुर सरकार ने मौजूदा संकट के कारण राज्य में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) के पुनर्वास को सुनिश्चित करने के लिए एक कैबिनेट उप-समिति का गठन किया है। इंफाल में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक के दौरान यह निर्णय हुआ। उप-समिति की अध्यक्षता कार्य और युवा मामलों और खेल मंत्री के गोविंददास सिंह करने वाले है। जबकि मंत्री अवांगबो न्यूमाई (जल संसाधन और राहत और आपदा प्रबंधन),डॉ. सपम रंजन सिंह (चिकित्सा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और सूचना एव जनसंपर्क) और खशिम वाशुम (पशुपालन एवं पशु चिकित्सा और परिवहन) समिति के सदस्य बनाए गए है।

सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय (डीआईपीआर) ने कहा कैबिनेट उप-समिति के संदर्भ की शर्तों में राहत शिविरों में रहने वाले आईडीपी की शिकायतों की पहचान करना, राहत शिविरों में व्यक्तियों की जरूरतों और आवश्यकताओं का आकलन करना, आईडीपी के पुनर्वास और पुनर्वास के उपायों की निगरानी करना और आईडीपी के अस्थायी पुनर्वास के लिए भूमि की पहचान की निगरानी करना शामिल है। पिछले साल 3 मई को राज्य में हुई हिंसा के बाद 50,000 से अधिक आईडीपी राहत शिविरों और अन्य क्षेत्रों में शरण ले रहे हैं और हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे गए थे।

6 जून को एक व्यक्ति का शव बरामद होने के बाद जिरीबाम में ताजा हिंसा में 200 बच्चों सहित 900 से अधिक लोग विस्थापित हुए। कैबिनेट की बैठक में उपायुक्तों को एक सप्ताह के भीतर बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन पूरा करने का निर्देश देने का भी निर्णय लिया गया और तत्काल राहत के रूप में प्रति बाढ़ प्रभावित परिवार को 10,000 की मंजूरी भी दी गई।

सिक्किम में भारी बारिश लैंड स्लाइड के चलते 6 की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के उत्तरी राज्यों में हीटवेव और तेज गर्मी का दौर लगातार जारी है। दूसरी ओर नॉर्थ-ईस्ट में भारी बारिश देखने को मिल रही है। पिछले तीन दिन से जारी बारिश के चलते सिक्किम में अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। जगह-जगह लैंडस्लाइड और बाढ़ में सैकड़ों घर और कई सडक्रें बह गईं। सबसे ज्यादा तबाही सिक्किम के मंगन जिले में हुई है। यहां एक दिन में 220 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। इससे पिछले साल बना संगकालांग ब्रिज ढह गया, जिससे गुरुडोंगमार झील और युनथांग घाटी जैसे पर्यटन स्थलों के लिए मशहूर मंगन जिले के जोंगु, चुंगथांग, लाचेन और लाचुंग जैसे शहर देश के बाकी हिस्सों से कट गए हैं। राहत-बचाव में जुटे डिजास्टर मैनेजमेंट के अधिकारियों ने बताया कि लाचुंग और चुंगथांग में करीब 2 हजार पर्यटक फंसे हैं।

राम मंदिर को उड़ाने की धमकी, बढ़ाई गई सुरक्षा

अयोध्या (ईएमएस)। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की ओर से राम मंदिर को उड़ाने की धमकी दिए जाने के बाद अयोध्या अलर्ट मोड पर आ गई है। राम मंदिर में निगरानी बढ़ा दी गई है। राम मंदिर समेत महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट की भी सुरक्षा में इजाफा किया गया है।

एसएसपी राजकरण नय्यर ने शुक्रवार को महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि अयोध्या धाम की सुरक्षा पहले से ही कड़ी है। यहां की सुरक्षा व्यवस्था को विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित करते हुए सीनियर राजपत्रित अधिकारी के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया है।

विभिन्न जोन में सुरक्षाकर्मी पहले से ही तैनात हैं। जिला पुलिस के अलावा पीएसी की भी कई कंपनियां प्राप्त हुई हैं। पीएसी को लगाकर सुरक्षा की जा रही है। महत्वपूर्ण स्थलों की भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी 24 घंटे की जाती है।

पूरे क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से देखा जाता है, जो भी रियल टाइम इनपुट जनरेट होते हैं, उसको लेकर ग्राउंड पर लगे हुए लोगों को तत्काल कंट्रोल रूम से सूचित किया जाता है। उसी के हिसाब से कार्रवाई की जाती है। वहीं, रामजन्मभूमि परिसर में तैनात अधिकारियों व सुरक्षाकर्मियों को अलर्ट मोड पर कर दिया गया है।

योगी का सख्त संदेश.....बकरीद की नमाज सड़कों पर नहीं पड़ी जाए, अराजक तत्वों पर नजर रखे पुलिस

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आगामी पर्व-त्यौहारों को देखकर सुदृढ़ कानून-व्यवस्था व श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि 16 जून को गंगा दशहरा, 17 जून को बकरीद, 18 जून को ज्येष्ठ माह का मंगल का पर्व और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन है। जुलाई महीने में मोहर्रम और कांवड़ यात्रा जैसे पवित्र कार्यक्रम होने हैं। स्वाभाविक रूप से यह समय कानून-व्यवस्था की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। इसके लिए शासन-प्रशासन को 24 घंटे सक्रिय मोड में रहने की जरूरत है।

सीएम ने कहा कि प्रदेश में 15 से 22 जून तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाना चाहिए। गंगा दशहरा के दृष्टिगत गंगा नदी के घाटों की साफ-सफाई और साज-सज्जा की जानी चाहिए। स्नान कहां करना है, यह सुनिश्चित हो। सतर्कता के दृष्टिगत गोताखोरों, पीएसी के फ्लड यूनिट और एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की तैनाती भी की जाए। उन्होंने कहा कि इस समय भीषण गर्मी का समय है, साथ ही त्यौहारों का आयोजन भी होना है। इसके बाद गांव, नगर, महानगर, कहीं भी रोस्टरिंग के नाम पर अनावश्यक पॉवर कट न हो। आम जन की जरूरतों का ध्यान रखें। पूर्व के अनुभव बताते हैं कि जहां स्थानीय प्रशासन ने संवादहीनता बनाए रखी, वहां अप्रिय घटना की स्थिति बनी। हमें इनसे सीख लेते हुए सतर्क रहना होगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बकरीद पर कुर्बानी के लिए स्थान पहले से ही तय होना चाहिए। इसके अतिरिक्त कहीं और कुर्बानी न हो। विवादित/संवेदनशील स्थलों पर कुर्बानी नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी न हो। उन्होंने कहा कि नमाज परंपरानुसार एक निर्धारित स्थल पर ही हो। सड़कों पर नमाज नहीं होनी चाहिए। योगी ने कहा कि हर एक पर्व शांति और सौहार्द के बीच संपन्न हों, इसके लिए स्थानीय जरूरतों को देखकर सभी जरूरी प्रयास किए जाएं।

यदि कोई भी कानून हाथ में लेने का प्रयास करे तब उसके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए। अराजक तत्वों पर नजर रखें। उन्होंने कहा कि ज्येष्ठ माह के बड़ा मंगल पर भंडारा आयोजन की परंपरा रही है। आयोजकों को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि प्रसाद खाकर अपशिष्ट सड़क किनारे न फेकें जाएं। डस्टबिन की उपलब्धता हर भंडारा स्थल पर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई घटना न हो, जिससे दूसरे धर्म के लोगों की भावनाएं आहत हो। उन्होंने कहा कि आम आदमी का विश्वास जीतें।

प्याज की कीमतें फिर बढ़ीं, आलू भी महंगा हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के बाद प्याज की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। पिछले एक हफ्ते में प्याज के भाव 50 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए। सरकार पहले से ही प्याज की कीमतों को लेकर परेशान थी। प्याज की कीमतों को ?नियं?त्रित करने के लिए सरकार ने दिसंबर 2023 में प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि, इस वित्त वर्ष की शुरुआत में ही सरकार ने प्रतिबंध हटा दिया। अब रिटेल मार्केट में प्याज की कीमतों में एक बार फिर से आए उछाल ने आम जनता के साथ सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी है। गौरतलब है ?कि प्याज की कीमतों में तो तेजी आ ही रही है। वहीं आलू के भाव भी बढ़ रहे हैं। गर्मी के सीजन में हरी सब्जियों के साथ आलू-प्याज की कीमतों में हो रहा इजाफा आम जनता के लिए मुसीबत ला रहा है। एक हफ्ते में प्याज 50 फीसदी तक महंगा हो गया है। 2 जून 2024 को रिटेल मार्केट में प्याज की कीमत 25 से 30 रुपये प्रति किलो थी। जो 9 जून को बढ़कर 35 से 40 रुपये प्रति किलो हो गई है।11 जून को प्याज की कीमत 50 रुपये प्रति किलो हो गई है। ऐसे में सब्जी विक्रेता का कहना है कि जब मंडी में प्याज महंगा है तो खुदरा बाजार में इनके दाम तो और ज्यादा होंगे ही। देश की सबसे बड़ी मंडी नासिक की लासलगांव मंडी में 25 मई को प्याज के दाम 17 रुपये प्रति किलोग्राम था जिसकी अभी कीमत 25 रुपये हो गई है। वहीं, सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले प्याज के दाम 30 रुपये के पार पहुंच गए हैं। ऐसे में जाहिर है कि नासिक मंडी से दिल्ली आते-आते प्रति किलो प्याज के दाम में 5-7 रुपये का खर्च और जुड़ जाएगा। वहीं जून के शुरुआत में आलू के भाव 20-25 रुपये प्रति किलो था जो अब 35 से 40 रुपये किलो हो गया है। 17 जून को बकरा ईद है। ऐसे में त्योहार के दौरान प्याज की मांग वैसे ही बढ़ जाती है।

डीआरडीओ ने एआई की ताकत को आजमाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा आयोजित अखिल भारतीय थीम आधारित प्रतियोगिता डेयर टू ड्रीम इनोवेशन कॉन्टेस्ट 2.0 जीतने के बाद महिला उद्यमी डॉ. शिवानी वर्मा द्वारा स्थापित स्टार्ट-अप इंजीनियस रिसर्च सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने सफलतापूर्वक एक एआई टूल ''दिव्य दृष्टि'' विकसित किया है जो चेहरे की पहचान जैसे अपरिवर्तनीय शारीरिक मापदंडों के साथ एकीकृत करता है। यह इनोवेटिव सॉल्यूशन बायोमेट्रिक ऑथेटिकेशन तकनीक में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है, जो व्यक्तियों की पहचान करने में बढ़ी हुई सटीकता और विश्वसनीयता प्रदान करता है। 'दिव्य दृष्टि' चेहरे की पहचान को चाल विश्लेषण के साथ जोड़कर एक मजबूत और बहुआयामी प्रमाणीकरण प्रणाली बनाती है। यह दोहरा दृष्टिकोण पहचान की सटीकता को बढ़ाता है, फाल्स पॉजिटिव्स या आइडेंट फ्रॉड के जोखिम को कम करता है और रक्षा, कानून प्रवर्तन, कॉर्पोरेट और सार्वजनिक अवसंरचना सहित विविध क्षेत्रों में इसके बहुमुखी अनुप्रयोग हैं। इस एआई टूल को बेंगलुरु स्थित डीआरडीओ की प्रयोगशाला सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड रोबोटिक्स (सीएआईआर) के तकनीकी मार्गदर्शन और सलाह के तहत विकसित किया है।

सेना को मिला पहला स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन, दुश्मन के घर में घुसकर होगी एयर स्ट्राइक

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय सेना को स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन नागास्त्र-1 का पहला बैच मिल गया है। इस बैच में 120 ड्रोन्स हैं। ये ड्रोन्स दुश्मन के बंकर, पोस्ट, हथियार डिपो को खत्म कर देगा। आत्मघाती ड्रोन्स को सेना लॉयटरिंग म्यूनिशन कहती है। यानी सामान्य भाषा में कहे तो सुसाइड ड्रोन्स। इसे बनाया है इकोनॉमिक्स एक्सप्लोसिव लिमिटेड कंपनी और जेड मोशन ऑटोनॉमस सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड ने। दोनों कंपनियां सोलार इंडस्ट्रीज की सब्सडियरी हैं। माना जा रहा है कि सेना को कुल मिलाकर 450 नागास्त्र दिए जाएंगे। इसके परीक्षण चीन सीमा के पास लद्दाख की नुब्रा घाटी में किए गए हैं। यानी भविष्य में सर्जिकल स्ट्राइक के लिए फाइटर जेट्स की जरूरत नहीं है।

इन ड्रोन्स को चुपके से कम आवाज और कम नजर आने वाली तकनीक की मदद से दुश्मन के घर में घुसकर हमला करवाया जा सकता है। इस हथियार के दो वैरिएंट्स हैं। नागास्त्र के दोनों वैरिएंट 60 से 90 मिनट तक उड़ान भर सकते हैं। इसकी ऑपरेशनल रेंज 15 किग्रा है।

1 से 4 किग्रा वजन के हथियार लेकर भरता है उड

जन हितैषी

नीट पर बाजारवाद हावी होने के निहितार्थ

किसी देश या राज्य की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं जिनमें आवास और भोजन की पूर्ति करना ही प्रमुख नहीं होती, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी प्राथमिकताओं को पूरा करना भी अहम होता है। संस्कारित समाज की ये ऐसी आवश्यकताएं हैं, जिनसे राज्य व देश का सुनहरा भविष्य छिपा होता है। व्यक्ति जितना पढ़ा-लिखा और हुनरमंद होने के साथ अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार होगा वह राज्य व देश उतना ही ज्यादा तरक्की करेगा। इसलिए सरकार से उम्मीद की जाती है कि वो इन सेवाओं को निःशुल्क या कम से कम खर्च में नागरिकों को उपलब्ध कराए। इसके लिए पूंजीवादी सोच और बाजारवाद को तिलांजलि देने की आवश्यकता होती है। जहां ऐसा होता है, वहां विकास की गंगा बहती है, लेकिन जहां पैसा ही सब कुछ हो जाता है, वहां मानव सेवा वाली सोच नदारद हो जाती है और बाजारवाद फलने-फूलने लगता है। यह सब इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि नीट मामले को लेकर जो खुलासे हुए हैं और जिस तरह से अदालत ने ग्रेस मार्क्स पाने वाले बच्चों को दोबारा इम्तिहान देने को कहा है, उससे एक बात तो तय हो गई कि सब कुछ सही नहीं है। घपले पर घपला तो यह रहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट-यूजी 2024 में कथित विसंगतियों के आरोपों के बीच परीक्षा का आयोजन करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने इसकी गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष प्रदीप कुमार जोशी को ही जांच पैनल का प्रमुख नियुक्त कर दिया। इस फैसले की भी खूब आलोचना हुई है। इस निर्णय के बाद जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठना लाजमी था, सो वही हो रहा है।

वैसे देखा जाए तो नीट एग्जाम के नाम पर एक अनैतिक व्यवसाय ने जगह ले ली है। इसके पीछे खरबों रुपयों के घपला-घोटाले का खेल भी चलता नजर आ रहा है, जिसे लेकर समय-समय पर चर्चाएं तो होती हैं, लेकिन कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाने की स्थिति में परिणाम भी नहीं मिल पाता है। इस स्थिति में तमाम कोशिशें ढाक के तीन पात साबित होती हैं। इसमें पिसते हैं वो मासूम बच्चे जो मेडिकल में अपना भविष्य बनाने के लिए उस व्यवस्था का हिस्सा बनने की कोशिश करते हैं, जिसमें जाकर वो अपने आप को पूंजीवादी मकड़जाल में फंसा हुआ पाते हैं। इनमें से जो हिम्मत हार जाते हैं वो समय पूर्व ही मौत को गले लगा अपने पीछे एक दर्दभरी दास्तां छोड़ जाते हैं। इन बच्चों के माता-पिता के दिल से पूछिए वो किस स्थिति में फिर जीते हैं। तिल-तिल कर मरने को जीवन तो नहीं कहा जा सकता है। जिन पालकों के बच्चे नीट की तैयारी करते हैं, उनके दिलों से पूछिए वो कभी चैन की नींद भी सो पाते हैं? ऐसे पालक और अभिभावक किसे दोष दें और किसे कोसें, शायद उन्हें खुद भी समझ नहीं आता है। नियति का खेल समझ सब सहते हैं और अंततः सामने आता है एक नीट घोटाला जो अदालत तक जाकर भी अनसुलझा प्रतीत होता है।

दरअसल पिछले दिनों जिस तरह से नीट पेपर लीक होने के आरोप लगे और फिर रिजल्ट को लेकर सड़क पर प्रदर्शन से लेकर अदालत तक जो आवाजें उठीं उसने इस गोरखधंधे से पर्दा उठाने का कार्य तो कर ही दिया है। गौर करें छात्र-छात्राएं अपनी तीन मांगों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे खटखटाते हैं। इनकी पहली मांग होती है, कांउसलिंग को रोका जाए। कोर्ट सुनवाई करते हुए कहता है, काउंसलिंग को रोका तो नहीं जा सकता। फिर मामला आगे बढ़ता है तो समय बढ़ाते हुए 6 जुलाई से काउंसलिंग करने के आदेश दे दिए जाते हैं। दूसरी मांग ग्रेस मार्क्स प्रक्रिया को हटाया जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ग्रेस पाने वाले 1563 विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा देने का मौका देते हुए 23 जून को परीक्षा और 30 जून को रिजल्ट देने का आदेश दे देता है। इसे लेकर कहा जाता है कि जिन बच्चों ने ईमानदारी से एग्जाम दिया और अच्छे मार्क्स पाए हैं उन पर दोबारा एग्जाम गाज गिरने जैसी बात है। मतलब एक चोर को पकड़ने के लिए तमाम मासूमों को शक के दायरे में ले लिया गया है। बहरहाल तीसरी मांग जो सबसे अहम कही जा रही थी वह, पेपर लीक की एसआईटी जांच हो। अब जबकि अदालत ने ग्रेस मार्क्स पाए बच्चों को दोबारा एग्जाम देने और काउंसलिंग नहीं रोके जाने के लिए कह दिया है, ऐसे में यह मांग बेमानी प्रतीत होती है। दरअसल नीट में हुए घपले-घोटाले की इसे पहली सीढ़ी माना जाना चाहिए था, जिससे आगे के सभी तार जुड़ते हैं। मजेदार बात यह है कि एनटीए ने पेपर लीक होने से साफ इंकार कर दिया, लेकिन फिर यह क्यों मान लिया कि अनियमितताएं हुईं हैं जो अब सभी के सामने हैं। इसलिए यह तो सभी समझ रहे हैं कि नीट एग्जाम के नाम पर बड़ा घोटाला हुआ है और इस घालमेल में सभी सहभागी हैं, जिस कारण अब लीपापोती करने की कोशिश बड़े पैमाने पर की जा रही है। मौजूदा मामले में तो करोड़ों रुपयों के लेन-देन के आरोप भी लगे हैं, जिनमें कुछ खास कोचिंग सेंटर पर सुई अटकी हुई है। इस तरह नीट परीक्षा में बैठने के लिए दी जाने वाली करोड़ों की फीस के अतिरिक्त जो पैसों का खेल खेला गया वह अब उजागर होने की स्थिति में आ गया है, बस जरुरत कर्तव्यनिष्ठ ईमानदारी के साथ जांच और उसके रिजल्ट को सभी के सामने लाने की है। उम्मीद की जानी चाहिए कि अभी भारत में कथासम्राट मुंशी प्रेमचंद की कहानी पंच परमेश्वर के किरदार जीवित हैं, जो किसी बिगाड़ के डर से क्या ईमान की बात नहीं कहेंगे। ऐसे जिम्मेदार पंचों को यह याद रखना होगा कि देश का आम नागरिक एक बार यह कहने का अवसर चाहता है कि पंच में परमेश्वर वास करते हैं...। देखना होगा यह कैसे संभव हो पाता है, क्योंकि कहा तो यही जाता है कि नामुमकिन कुछ भी नहीं।

आओ गंगा नहाएं हम और आप भी

राजनीति से हटकर आइये आज गंगा की बात करते हैं। गंगा हमारे लिए केवल एक नदी नहीं है बल्कि संस्कृति का एक जीवंत प्रतीक है। हम गंगा का पुत्र होने में अपने आपको गौरवान्वित महसूस करते हैं। गंगा की सौगंध खाते हैं,अपनी सच्चाई को प्रमाणित करने के लिए गंगाजल उठाते है। पाप निवारण के लिए गंगा स्नान करते हैं। और जब कोई बड़ा काम सम्पन्न करने में कामयाब हो जाते हैं तो राहत की सांस लेते हुए कहते हैं - चलिए हमने तो गंगा नहा ली।

गंगा के बारे में हर भारतीय जानता है। पूरब का हो ,चाहे पश्चिम का,उत्तर का हो या दक्षिण का,सबके लिए गंगा का महत्व है। ये बात अलग है कि सबकी गंगा अलग-अलग है। गंगा दरअसल प्रयाग या हरिद्वार में ही नहीं बहती,बल्कि हर व्यक्ति के मन में बहती है। समस्या ये है कि इन तमाम गंगाओं का मिलन होना सुनिश्चित नहीं है। आपने राजकपूर की फिल्म संगम तो देखी ही होगी। इस फिल्म का शीर्षक गीत है ये सवाल खड़े करता है कि तेरे मन की और मेरे मन की गंगा का मिलन होगा या नहीं ? गीतकार शैलेन्द्र ने जब ये गीत लिखा और शंकर -जयकिशन ने इसे संगीतबद्ध कर मुकेश से गवाया था तब ये सोचा भी न होगा कि गंगा एक समय में यक्ष -प्रश्न बन जाएगी और कोई भी इस सवाल का जबाब नहीं दे पायेगा कि हमारे-आपके मन की गंगा का मिलन आज की सियासत होने देगी या नहीं ?

ईश्वर के वजूद को लेकर अक्सर मेरे मन में प्रश्न रहते हैं किन्तु गंगा को लेकर मेरे मन में कभी कोई दुविधा नहीं रही। मैंने जब से होश सम्हाला है गंगा को विभिन्न रूपों में देखा है। गंगा के प्रति अपने पूर्वजों के मन में अगाध शृद्धा देखी है। हम भारतीयों में से बहुत से आज भी किसी क़ानून से,किसी अदालत से भले ही न डरते हों लेकिन गंगा से डरते हैं। उनका डर सम्मान की वजह से है। हर भारतीय आज भी गंगा को पाप-नाशिनी मानता है। पतित-पावन मानता है। और ये मान्यता कोई एक दिन में या 2014 के बाद नहीं बनी। ये सदियों,युगों और कल्पों के बाद बनी है। हर भारतीय के घर में गंगा मौजूद मिलेगी। शीशी में ,कंटेनर में।आखिरी वक्त में सभी को मोक्ष पाने के लिए गंगाजल की दरकार होती है ,भले ही उसने जीवन में कभी गंगा स्नान किया हो या न किया हो।

भगवान शिव को किसी ने नहीं देखा,भगीरथ को किसी ने नहीं देखा लेकिन गंगा को सबने देखा है। सबको गंगावतरण की पौराणिक कथा का ज्ञान है। सब मानते हैं कि यदि रघुवंशी भगीरथ हठ न करते तो गंगा भूलोक में शायद न आती। शिव यदि गंगा को अपनी जटाओं में धारण करने का साहस न दिखाते तो गंगा धरती पर या तो आती ही नहीं और यदि आ भी जाती तो समूची सृष्टि को अपने आवेग के साथ बहा ले जाती। गंगा दुनिया कि किसी दूसरे देश में नहीं है। अमेरिका में नहीं ,चीन में नहीं ,जापान में नहीं ,रूस में नहीं। गंगा सिर्फ भारत में है और हम शान से गर्व से कहते हैं कि - हम उस देश कि वासी हैं जिस देश में गंगा बहती है। यानि गंगा हमारा आइडेंटिटी कार्ड है ,परिचय पत्र है। दुनिया में शायद ही कोई ऐसा देश हो जहाँ कि नागरिक अपने परिचय कि तौर पर अपने देश की किसी नदी का इस्तेमाल करते हैं।

चूंकि 16 जून को गंगा दशहरा है ,इसलिए मै आपके सामने गंगा - पुराण लेकर बैठ गया। वरना किसे फुरसत है गंगा पर बात करने की। गंगा को लेकर हम आम भारतीय ही नहीं बल्कि हमारी सरकारें भी बहुत संवेदनशील दिखाई देतीं हैं लेकिन असल में होती नहीं हैं। वे दुनिया कि पाप धोने वाली गंगा कि शुद्धिकरण और उसके पुनर्जीवन कि लिए नमामि गंगे प्रोजेक्ट तो बना लेते हैं किन्तु उसे भी सियासत के रंग में रंग देते है। भ्र्ष्टाचार की भेंट चढ़ा देते हैं। भारत कि भाग्यविधाता चूंकि खुद को गंगा पुत्र कहते हैं इसलिए देश में नमामि गंगे प्रोजेक्ट को उनका दिव्यस्वप्न माना जाता है। भाग्यविधाता को गंगा ने तीसरा अवसर दे दिया लेकिन इस प्रोजेक्ट को आज तक पूरा नहीं किया जा सका मुमकिन है कोई मजबूरी रही हो। इस परियोजना पर हम भी बात नहीं करना चाहते ,अन्यथा कहा जाएगा की हम फिर सियासत पर आ गए !

हम और आप साधारण इंसान हैं इसलिए हम और आप ऐसी कोई बात नहीं कर सकते जो असाधारण हो। असाधारण बात करने का हक असाधारण लोगों को ही है। बल्कि असाधारण बातें आजकल केवल अविनाशी लोगों का एकाधिकार माना जाता है। साधारण बात ये है कि हम गंगा को पूजते हैं लेकिन उसकी फ़िक्र नहीं करते। हमें गंगा कि प्रति फिक्रमंद होने कि लिए उन देशों से सीखना होगा जिनके पास गंगा तो नहीं है लेकिन उनकी नदियाँ गंगा से सौ गुना ज्यादा स्वच्छ हैं। विदेशी अपनी नदियों कि लिए किसी सरकार पर निर्भर नहीं होते। वे ये कामखुद करते हैं ,लेकिन हम ये सब नहीं करते। हम गंगा दशहरे पर गंगा को पूजेंगे,उसकी आरती उतारेंगे ,दान-पुण्य करेंगे लेकिन उसकी कोख को गंदगी से भर आएंगे।

हमारी नब्बो साल की दादी फूलकुंवर अनपढ़ थीं लेकिन जानतीं थीं कि ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर गंगा दशहरा मनाया जाता है। इस दिन गंगा जी की पूजा, गंगाजल से स्नान जरुर करना चाहिए. मान्यता है इससे व्यक्ति के कई जन्मों के पाप धुल जाते है। वे गांव के पास बहने वाली बेतवा को ही गंगा मानकर उसमें डुबकी लगा लेतीं थी।उनके मायके कि पास भी गंगा नहीं थी,वहां जमुना थी। वे उसे भी गंगा मानतीं थीं। हमारे पास भी गंगा नहीं बल्कि चंबल है। हम चंबल को ही अपनी गंगा मानते हैं। गंगा को बचाने का मतलब हर नदी को बचाने से होना चाहिए तब तो गंगा को पूजने का,उसमें नहाने का कोई अर्थ सार्थक हो सकता है।

हमने संविधान ,भाईचारा,मंगलसूत्र,मुजरा ,आरक्षण आदि मुद्दों पर हाल ही में चुनाव देखा है। हमारे राजनितिक दलों और नेताओं ने तो चुनाव कराकर गंगा नहा ली ,लेकिन गंगा का जिक्र एक बार भी नहीं किया। कोई सत्ता पक्ष में पहुँच गया तो कोई प्रतिपक्ष में। जो कहीं नहीं पहुंचा वो निर्दलीय है,जहाँ ज्यादा चारा मिलेगा ,वहां पहुँच जायेगा। लेकिन आप तो अपनी सोचिये। अपनी गंगा की सोचिये। आप गंगा दशहरा के दिन तुलसी के पत्तों को गंगाजल से धोकर , फिर इन्हें एक लाल कपड़े में बाधकर तिजोरी में रख कर अपनी दरिद्रता दूर करने और घर में लक्ष्मी रोकने कि फेर में न पड़ें। तुलसी में जल अर्पित कर श्री तुलसी स्तोत्रम् का पाठ करें या न करें ,इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला गंगा की सेहत पर।

अंत में भले ही गंगा जू मां गंगा धरती पर सागर के 60 हजार पुत्रों को मोक्ष देने के लिए आई थी ,लेकिन वे देश कि करोड़ों हिन्दू -मुसलमानों को मोक्ष दिला सकतीं है। शर्त एक ही है कि आप देश की गंगा-जमुनी संस्कृति के खिलाफ खड़े लोगों को पहचानकर उनके खिलाफ खड़े हो जाएँ। आपका गंगा स्नान हुआ मान लिया जाएगा। आपकी गंगा दशहरे की पूजा को गंगा जी स्वीकार कर लेंगी। गंगा ने आजतक हिंदू - मुसलमान नहीं किया। तब भी जब मुगलों ने उसका नाम अल्लाहाबाद रख दिया था और आज भी जब उसे दोबारा प्रयाग कहा जाने लगा है। शुभकामनाओं सहित। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

25 वर्ष पहले का इतिहास दोहराने के डर से स्पीकर भाजपा का ही चाहते है मोदी!

मोदी- मंत्रिमंडल गठन के बाद अब सबकी निगाहें लोकसभा स्पीकर पद पर लगी है। एन चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और नीतीश कुमार की जेडीयू, जो बीजेपी की महत्वपूर्ण सहयोगी पार्टियां हैं और जिनका समर्थन मोदी सरकार की बहुमत के लिए आवश्यक है, वे इस पद पर नजरें गड़ाए हुए हैं। जब गठबंधन की सरकार में सत्ताधारी दलों में मत विभाजन होता है व सरकारें गिरती हैं, तब इस पद की अहमियत समझ बढ़ जाती है।तभी दल-बदल कानून लागू होता है और सदन के स्पीकर का पद एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सन 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार लोकसभा में विश्वास प्रस्ताव हारने के बाद गिर गई थी, सिर्फ एक वोट ने वाजपेयी सरकार का भविष्य खत्म कर दिया था। इस समय

चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार दोनों ही गठबंधन के अनुभवी नेता हैं और वे स्पीकर का पद एक ढाल के रूप में चाहते हैं, ताकि सरकार की मनमानी के खिलाफ सुरक्षित रह सकें। सन1999 में वाजपेयी सरकार की गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले लोकसभा स्पीकर टीडीपी के ही थे।वर्तमान

मोदी सरकार भी टीडीपी और जेडीयू के सहयोग से बनी है। बीजेपी को इस बार 240 सीटें हासिल हुई, जो बहुमत के 272 के आंकड़े से पीछे है। सन 1990 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में भी यही हालात थे। तब के मुकाबले अब बीजेपी सशक्त है।लेकिन फिर भी मोदी स्पीकर पद टीडीपी को देंकर जोखिम नही उठाना चाहेंगे। सन 1999 में जब विपक्ष वाजपेयी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया तो केवल एक वोट से वाजपेयी सरकार गिर गई थी, ये एक वोट ओडिशा के कांग्रेस नेता गिरिधर गामंग द्वारा सरकार के खिलाफ डाला गया था। उस समय टीडीपी के जीएमसी बालयोगी लोकसभा के स्पीकर थे। स्पीकर ने ही गामंग को वोट डालने की अनुमति दी थी, जबकि गामंग कुछ दिन पहले ही ओडिशा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले चुके थे। अगर स्पीकर गामंग को वोट डालने की अनुमति नहीं देते, तो सदन में हां और ना के वोट बराबर हो जाते और हो सकता था अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार बच जाती।

उस समय विश्वास प्रस्ताव पर अंतिम वोट 269 सत्ता पक्ष के और 270 विपक्ष के थे। एक ही वोट ने सरकार को धराशायी कर दिया था। स्पीकर के एक फैसले ने वाजपेयी को लोकसभा में विश्वास मत में हारने वाले पहला प्रधानमंत्री बना दिया था। सन 1998 में टीडीपी के बलायोगी को एन चंद्रबाबू नायडू के दबाव में लोकसभा स्पीकर के रूप में नियुक्त किया गया था।नायडू अब फिर से लोकसभा स्पीकर पद की मांग कर रहे हैं। लेकिन बीजेपी फिर से वही जोखिम नही उठाना चाहती।इस समय टीडीपी के 16 और जेडीयू के 12 सांसद सरकार के सहयोग में हैं। सरकार पहले ही दोनों पार्टियों के सांसदों को मंत्रिमंडल में शामिल कर चुकी है। टीडीपी ने पहले ही लोकसभा स्पीकर के पद की चाहत जताई हुई है, वहीं शिव सेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने सुझाव दिया है कि जेडीयू भी इसकी मांग करे। जिसका स्पीकर, उसकी सरकार वाक्य लोकसभा स्पीकर के पद की महत्वता को परिभाषित कर रहा है। ऐसे में बीजेपी के सामने स्पीकर पद के मसले को सुलझाना एक चुनौती जरूर बन गया है।बीजेपी किसी भी हालत में स्पीकर का पद टीडीपी को सौंपने के लिए इच्छुक नहीं हैं। इस बीच आंध्र प्रदेश के बीजेपी प्रमुख डी पुरंदेश्वरी का नाम स्पीकर पद के लिए चर्चा में है। पुरंदेश्वरी पूर्व मुख्यमंत्री और प्रसिद्ध अभिनेता एनटी रामाराव की बेटी और नायडू की भाभी हैं। उनके पति, डग्गुबती वेंकटेश्वर राव, पूर्व कांग्रेस सांसद और विधायक हैं, जो बाद में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। वहीं टीडीपी ने जिन सड़क परिवहन, स्वास्थ्य और कृषि जैसे बड़े मंत्रालय मांगे थे,वे भी नही मिले है। ऐसे में स्पीकर का पद भी नही मिला तो टीडीपी आंखे टेढ़ी कर सकती है।आम चुनाव होने और नई सरकार के गठन के बाद नए सांसदों को शपथ दिलाने के लिए प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति की जाती है। प्रोटेम स्पीकर लोकसभा के सबसे सीनियर सांसद को बनाया जाता है।प्रोटेम स्पीकर की देखरेख में ही लोकसभा स्पीकर का चुनाव होता है। आम चुनाव के बाद सरकार और विपक्ष मिलकर स्पीकर के लिए उम्मीदवार का नाम घोषित करते हैं।इसके बाद प्रधानमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री उम्मीदवार के नाम का प्रस्ताव करते हैं। अगर एक से ज्यादा उम्मीदवार हैं तो फिर बारी-बारी से प्रस्ताव रखा जाता है और जरूरत पड़ने पर वोटिंग भी कराई जाती है। जिसके नाम का प्रस्ताव मंजूर होता है, उसे स्पीकर चुन लिया जाता है।

स्पीकर का कार्यकाल उनकी नियुक्ति की तारीख से लेकर अगली लोकसभा की पहली बैठक के ठीक पहले तक होता है। यानी, जब तक 18वीं लोकसभा की पहली बैठक नहीं होती, तब तक ओम बिरला ही स्पीकर बने रहेंगे।आजादी के बाद से अब तक लोकसभा स्पीकर का पद सत्तारूढ़ पार्टी या गठबंधन के पास ही जाता है, जबकि डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को मिलता है। पिछली लोकसभा में डिप्टी स्पीकर का पद खाली रहा था।सन 1977 में छठी लोकसभा के गठन के बाद नीलम संजीव रेड्डी स्पीकर बने थे, रेड्डी पहले गैर-कांग्रेसी स्पीकर थे, जो 109 दिन तक इस पद पर रहे और जुलाई 1977 में राष्ट्रपति बन गए थे।वही सन 2004 से 2009 की यूपीए-एक की सरकार में लोकसभा अध्यक्ष का पद सीपीएम के पास था,सीपीएम के सोमनाथ चटर्जी लोकसभा स्पीकर रहे।कांग्रेस की अगुवाई वाली इस सरकार को सीपीएम ने भी समर्थन दिया हुआ था।

लेकिन सन 2008 में भारत-अमेरिका के बीच न्यूक्लियर डील होने से नाराज सीपीएम ने यूपीए सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। सीपीएम ने सोमनाथ चटर्जी पर भी इस्तीफा देने का दबाव बनाया, लेकिन उन्होंने गैर-पक्षपाती होने का हवाला देते हुए इससे इनकार कर दिया था, जिसपर सोमनाथ चटर्जी को सीपीएम से निकाल दिया गया था।यदि स्पीकर पद भाजपा का ही बनता है तो भाजपा स्पीकर की मदद से जोड़तोड़ करके लोकसभा में अपनी संख्या 240 से 272 यानि बहुमत के आंकड़े तक पहुंचा सकती है।इसी डर के कारण टीडीपी स्पीकर अपना बनाने की मांग पर अड़ी हुई है,जबकि भाजपा को डर है कि स्पीकर का पद टीडीपी को दिया तो वह 25 वर्ष पहले का इतिहास दोहराकर सरकार न गिरा दे।स्पीकर पद का चुनाव 20 जून को होने की उम्मीद है। (लेखक - डॉ गोपाल नारसन/ईएमएस) (लेखक राजनीतिक विश्लेषक व वरिष्ठ पत्रकार है)

लगेगी आग तो आयेंगे घर कई ज़द में ...

विगत 6 जून को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर फ़िल्म अभिनेत्री व हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से नवनिर्वाचित सांसद कंगना रानौत के गाल पर वहां सुरक्षा डयूटी पर तैनात सीआई एस एफ़ की महिला सिपाही कुलविंदर कौर ने थप्पड़ जड़ दिया। किसी भी सुरक्षा कर्मी द्वारा अति सुरक्षित स्थान पर ऐसा अभद्र व्यवहार किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण व निंदनीय है। इस शर्मनाक घटना के बाद आरोपी महिला सिपाही कुलविंदर कौर को सीआईएसएफ ने तत्काल गिरफ़्तार कर उसे निलंबित भी कर दिया। इस घटना की पृष्ठभूमि यह है कि किसान आंदोलन के दौरान कंगना रानौत ने पंजाब के आंदोलनकारी किसानों को आतंकवादी तथा ख़ालिस्तानी कहा था और यह भी कहा था कि किसान आंदोलन में शामिल प्रदर्शनकारी महिलाओं को सौ-सौ रुपये दे कर प्रदर्शन के लिये लाया गया था। ख़बरों के अनुसार किसानों के साथ शामिल महिला प्रदर्शनकारियों में महिला सिपाही कुलविंदर कौर की मां भी शामिल थी जो कंगना रानौत की महिलाओं को सौ-सौ रुपये लेकर प्रदर्शन करने वाले बयान से बेहद आहत हुई थी। परिणाम स्वरूप उसी अपमानजनक बयान के बदले के रूप में यह अप्रत्याशित घटना सामने आई। किसान आंदोलन के दौरान ही कंगना ने ट्वीटर पर यह विवादित टिप्पणी भी की थी कि- कोई भी इसके बारे में बात नहीं कर रहा है क्योंकि वे किसान नहीं हैं, वे आतंकवादी हैं जो भारत को विभाजित करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि चीन हमारे कमज़ोर टूटे हुए राष्ट्र पर क़ब्ज़ा कर सके और इसे यूएसए की तरह एक चीनी उपनिवेश बना सके... बैठ जाओ मूर्ख, हम अपने देश को तुम बेवक़ूफ़ों की तरह नहीं बेच रहे हैं। हालांकि इस पोस्ट पर हुई आलोचना के बाद कंगना ने इस पोस्ट को भी हटा लिया था। निश्चित रूप से यदि सिपाही कुलविंदर कौर का कृत्य ग़लत है तो कंगना रानौत के ऐसे बयानों को भी सही नहीं ठहराया जा सकता। इस घटना के बाद कंगना रानौत द्वारा दिये गये एक और विवादित बयान ने इस मुद्दे पर चर्चा को और अधिक तूल दे दिया है जिसमे उन्होंने चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर अपने साथ हुई घटना का विवरण देने के अंत में कहा कि हमें इस बात की चिंता है कि पंजाब में जो आतंकवाद व उग्रवाद बढ़ रहा है हम उससे कैसे निपटते हैं। उनके इस बयान के बाद किसान और भी कड़ी आपत्ति जता रहे हैं और कुलविंदर के समर्थन में एकजुट हो गए हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान व शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सहित अनेक नेताओं ने कहा है कि इस घटना को पंजाब में आतंकवाद व उग्रवाद फैलने से जोड़ना बिल्कुल ग़लत है और एक सांसद के नाते तो कंगना को ऐसी बात हरगिज़ नहीं करनी चाहिये।

परन्तु कंगना के इस आतंकवाद वाले बयान ने देश में पिछले कुछ दिनों के भीतर हुई ऐसी घटनाओं की याद दिलाते हुये आतंकवाद व उग्रवाद पर एक बहस ज़रूर छेड़ दी है। याद कीजिये अभी गत 18 मई को जब उत्तर-पूर्वी दिल्ली से लोकसभा के लिए कांग्रेस के उम्मीदवार कन्हैया कुमार अपने निर्वाचन क्षेत्र के उस्मानपुर इलाक़े में चुनाव प्रचार कर रहे थे उस समय उन पर पहले कुछ लोगों ने स्याही फेंकी और फिर उनके गाल पर थप्पड़ जड़ दिया। मारने वाला व्यक्ति कन्हैया कुमार को टुकड़े टुकड़े गैंग का सदस्य बता रहा था। कन्हैया कुमार के इन दो हमलावरों में दक्ष चौधरी नाम का वह व्यक्ति भी था जिसने पिछले दिनों फ़ैज़ाबाद के चुनाव परिणामों से खिन्न होकर अयोध्या के लोगों को अपमानित किया था। यह लोग 'हिंदू रक्षा दल' नमक किसी संगठन से जुड़े थे। इन्होंने इनके अनुसार 'राम को घर वापसी कराने वाली पार्टी' (भाजपा) को वोट ना देने पर अयोध्यावासियों को गालियां दीं थी। क्या इस तरह की सोच व ऐसे कृत्य को उग्रवाद व आतंकवाद से प्रेरित सोच कहना चाहिये ? इसी तरह 13 अक्टूबर, 2011 को प्रसिद्ध वकील प्रशांत भूषण पर सुप्रीम कोर्ट में उनके चैंबर में हमला किया गया था। उस दिन तीन लोग प्रशांत भूषण के चैंबर में घुस आए थे और उन्हें पीटना शुरू कर दिया। भूषण उस समय किसी टीवी चैनल को साक्षात्कार दे रहे थे। अतिवादियों ने प्रशांत भूषण को थप्पड़ और लात मारी। वे फ़र्श पर गिर गए, उनका चश्मा गिर गया और उनकी शर्ट फट गई थी। भूषण के एक हमलावर तेजिंदर पाल सिंह बग्गा को बाद में भाजपा ने अपनी पार्टी में शामिल कर महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी भी दी थी। हमलावरों ने स्वयं को श्री राम सेना से बताया था। यह वही दक्षिणपंथी हिंदू चरमपंथी समूह था जिसके कार्यकर्ताओं ने 2009 में मैंगलोर के एक पब में बैठी युवतियों पर हमला किया था। यह उग्रवाद व अतिवाद नहीं तो और क्या है ?

और गत वर्ष 31 जुलाई को सुबह 5 बजे जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन में घटी उस हिंसक घटना को क्या नाम दिया जाये जब वापी और बोरी वली रेलवे स्टेशन के बीच दौड़ रही इस ट्रेन में डयूटी पर तैनात आर पी एफ़ के एक 30 वर्षीय कॉन्स्टेबल चेतन सिंह ने गोलीबारी कर अपने सीनियर एक इंस्पेक्टर टीकाराम मीणा सहित अब्दुल क़ादिर ,असग़र अब्बास शेख़ व सैयद सैफ़ुल्लाह नामक चार व्यक्तियों की हत्या कर दी थी। देश में मॉब लिंचिंग के सैकड़ों मामले हो चुके हैं। धर्म व जाति विशेष के लोगों को निशाना बनाया जाता रहता है। गौ रक्षा के नाम पर स्वयंभू गौरक्षक तमाम लोगों को मार चुके हैं। मंत्री सांसद विधायक व स्वयंभू धर्मगुरु धर्म विशेष के लोगों को आतंकी बताते हैं तो कभी उन्हें सार्वजनिक रूप से धमकियाँ देते हैं। यह आतंकवाद व अतिवाद नहीं तो और क्या है। हिन्दू जागरण के नाम पर आजकल बेख़ौफ़ होकर नफ़रत फैलाई जा रही है। जिससे समाज का सीधा सादा बेरोज़गार युवा उनके झूठे नफ़रत भरे दुष्प्रचार से प्रभावित होकर धर्म विशेष के प्रति उग्र हो रहा है। ऐसे लोगों पर नकेल कसने वाला कोई नहीं। बल्कि ऐसे असामाजिक व अवांछित तत्वों की किसी न किसी तरह हौसला अफ़ज़ाई की जाती है।

पंजाब इस समय पूर्णतयः शांतप्रिय राज्य है। यहाँ शांति क़ायम करने में अनेक लोगों को अपनी जान की क़ुर्बानियां देनी पड़ी है। लिहाज़ा अपनी बदज़ुबानी के लिये मुआफ़ी मांगने या उसपर पश्चात्ताप करने के बजाये किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा आतंकवाद की चिंता व्यक्त करने पर जिसे यह भी नहीं पता कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू थे,सुभाषचंद्र बोस नहीं। जिसे यह भी नहीं पता कि देश 1947 में आज़ाद हुआ था 2014 में नहीं, अफ़सोस ही व्यक्त किया जा सकता है। यदि कहीं अतिवाद का धुआं उठता भी हो तो उसे हवा देने के बजाये उसपर पानी डाल कर धुआं ख़त्म करने की ज़रुरत है। इस सन्दर्भ में राहत इंदौरी का यह शेर ज़रूर याद रखना चाहिये कि -लगेगी आग तो आयेंगे घर कई ज़द में। यहाँ पे सिर्फ़ हमारा मकान थोड़ी है। (लेखिका - निर्मल रानी/ईएमएस)

शब्द पहेली - 8038

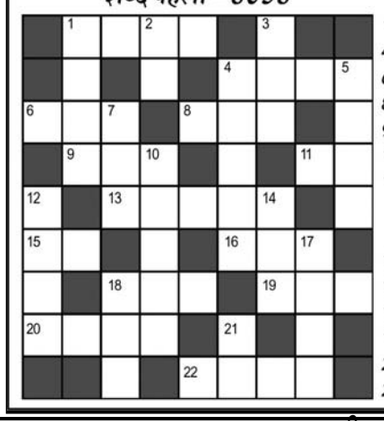

बाएँ से दाएँ

1. प्रार्थना, खुशामद-4
4. श्मशान, शवदाहगृह-4
6. भ्रमर, चक्र-3
8. कामदेव, सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार, मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात, तबियत-2
16. फिजूल, व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन, विदा-3
20. झगड़ा, अनबन-4
22. लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1. आलता, माहुर-4
2. घाटा, नुकसान-2
3. कमल, जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा, चाह-5
5. टक्कर, मुठभेड़-4
7. रात्रि, निशा-3
10. जरूरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग, हिलोर-3
17. कसरत, परेड-4
18. विश्राम, राहत-3
21. मार्ग, पथ-2

शब्द पहेली -8037 का हल

त	फ	ती	ह		क	ल	र	व
क		छ	ल	क	प	ट		र
ग	ख			म			बं	दा
र	त		प	ल	क		दा	न
	र	स	ना		मा	ख	न	
त	ना		ह	म	ल		वा	स
ल	क			ग			ज	ल
घ		म	न	रा	ख	ना		वा
र	म	जा	न		त	क	दी	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

नामीबिया के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी इंग्लैंड

नॉर्थ साउंड (ईएमएस)। टी20 विश्वकप में शनिवार को इंग्लैंड की टीम नामीबिया के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर सुपर आठ के लिए अपनी संभावनाएं मजबूत करने के इरादे से उतरेगी। पिछले मैच में ओमान के खिलाफ बड़ी जीत से उसका नेट रन रेट बेहतर हुआ है जिससे अब वह बनाये रखना चाहेगी। स्कॉटलैंड के खिलाफ बारिश के कारण मैच नहीं होने और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार से उसके लिए सुपर आठ का सफर कठिन हुआ है हालांकि

ओमान को महज 47 रन पर समेटने के बाद इंग्लैंड की संभावनाएं बढी हैं। उसने इस मैच में रिकॉर्ड 101 गेंद के अंतर से जीत दर्ज की। इस परिणाम से इंग्लैंड का नेट रन रेट काफी अच्छा हो गया जो ग्रुप बी में उनके और स्कॉटलैंड के बीच महत्वपूर्ण अंतर है। इंग्लैंड का नेट रन रेट -1.8 से +3.08 हो गया

कनाडा के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम,रात आठ बजे शुरू होगा मुकाबला

लॉडरहिल (ईएमएस)। भारतीय टीम शनिवार को यहां अपने अंतिम ग्रुप ए मैच में कनाडा के खिलाफ जीत की लय बनाये रखने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने अब तक अपने तीनों ही मैच जीते हैं जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। इस मैच में हालांकि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा पर सबकी नजरें रहेंगी। विराट अब तक तीनों ही मैचों में रन नहीं बना पाये हैं ओर उनका लक्ष्य इस मैच में रन बनाकर सुपर आठ से पहले लय हासिल करना रहेगा। यही हाल जडेजा का भी है वह भी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अब तक प्रभावि नहीं कर पाये हैं। भारतीय टीम इस मैच के लिए फ्लोरिडा पहुंची है और उम्मीद है कि शहर बदलने के साथ कोहली को भाग्य का साथ भी मिलने लगेगा। इस मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है पर वह कनाडा को हल्के में नहीं लेगी क्योंकि कनाडाई टीम ने आयरलैंड के खिलाफ 12 रन की जीत के साथ अपने को साबित किया है। उसके सलामी बल्लेबाज आरोन जॉनसन किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को विफल कर सकते हैं। कनाडा के लिए हालांकि भारतीय टीम के खिलाफ उलटफेर करना संभव नजर नहीं आता है।

ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम की पिच से गेंदबाजों को शायद न्यूयॉर्क जितनी मदद नहीं मिले जहां की पिच पर असमान उछाल था। ऐसे में भारतीय टीम कनाडा के खिलाफ कुलदीप यादव या युजवेंद्र चहल में से किसी एक को अवसर देने के बारे में सोच सकती है। ऐसी स्थिति में भारत को अक्षर पटेल को बाहर करना पड़ सकता है।

इस मैदान पर 16 मैचों में, पहले बल्लेबाजी करने का औसत स्कोर लगभग 165 है, जो काफी अच्छा है और इसका मतलब है कि टीमें लगभग 170 से 180 रन बना सकता हैं जबकि न्यूयॉर्क में 110 से 120 बन रहे थे। यहां पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 11 मैच जीते हैं जबकि लक्ष्य का पीछा करते हुए 4 मुकाबले जीते हैं। यहां पर बल्ले और गेंद के बीच अच्छा मुकाबला देखने को मिल सकता है। भारतीय गेंदबाजों ने न्यूयार्क की पिच पर शानदार प्रदर्शन किया था जिससे वे यहां भी बनाये रखना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत टी20 विश्व कपः रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंडया, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज।

कनाडा टी20 विश्व कपः साद बिन जफर (कप्तान), आरोन जॉनसन, डाइलन हेलिगर, दिलप्रीत बाजवा, ऋषिव जोशी, जेरेमी गॉर्डन, जुनैद सिद्दीकी, कलीम सना, कंवरपाल तथगुर, नवनीत धालीवाल, निकोलस किरटन, परगट सिंह, रविंद्रपाल सिंह, रेयानखान पठान और श्रेयस मोव्वा (विकेट कीपर)।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी दिग्गज शेयरों में खरीददारी हावी होने से आई है। इसके साथ ही निर्यात बढ़ने और एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में आई तेजी से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित

बीएसई सेंसेक्स 0.24 करीब 181.87 अंक बढ़कर 76,992.77 पर बंद हुआ। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 0.29 फीसदी तकरीबन 66.70 अंक की बढ़त के साथ 23,465.60 अंक पर बंद हुआ। इंट्रा-डे कारोबार में यह 91.5 अंक या 0.39 फीसदी बढ़कर 23,490.40 के नए रिकॉर्ड लेवल पर भी पहुंच गया था। निफ़्टी की 50 कंपनियों में से 28 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 22 के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 2.20 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। साथ ही टाइटन, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स, अल्ट्रा सीमेंट, बजाज फाइनेंस और एक्सिस बैंक के शेयर मुख्य रुप से लाभ में रहे।

वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 1.38 फीसदी टूटा। इसके अलावा टीसीएस, विप्रो, एचसीएल टेक, कोटक बैंक, एलएंडटी, एसबीआई, एनटीपीसी के शेयरों में भी गिरावट रही।

मई में वस्तु निर्यात नौ फीसदी बढ़कर 38.13 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 34.95 अरब डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार, आयात 7.7 फीसदी बढ़कर 61.91 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो मई 2023 में 57.48 अरब अमेरिकी डॉलर था।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत ?हल्की बढ़त ?के साथ हुई। बेंचमार्क निफ्टी 50 शुक्रवार सुबह 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 23,464 के स्तर पर नई ऊंचाई पर पहुंच गया, जबकि बीएसई सेंसेक्स 30 अंक की मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता दिखा। हालांकि थोड़ी देर में बाजार के प्रमुख इंडेक्स में गिरावट का सिलसिला देखने को मिला। बीएसई सेंसेक्स 202 अंक फिसलकर 76,608 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ़्टी 50 41 अंक गिरकर 23,357 के लेवल पर आ गया। वहीं एशियाई बाजार की बात करें तो जापान का निक्केई 225 0.31 फीसदी अधिक गिर गया, व्यापक टॉपिक्स सूचकांक 0.03 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ सपाट कारोबार कर रहा है। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.1 फीसदी की गिरावट आई, जबकि स्मॉल-कैप कोस्डैक इंडेक्स 0.91 फीसदी की गिरावट दिखी।

बकरीद के मौके पर 17 जून को बंद रहेंगे शेयर बाजार

- शाम के सेशन में कमोडिटी ट्रेडिंग की मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली (ईएमएस)। बकरीद के मौके पर सोमवार 17 जून को बंबई स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज बंद रहेंगे। इस दिन शेयर बाजार में इक्विटी, डेरिवेटिव, कमोडिटी और डेट सेगमेंट में कामकाज नहीं होगा। कमोडिटी मार्केट में हालांकि सोमवार को शाम को 5 से 11:00 बजे के सेशन में कारोबार किया जाएगा। शेयर बाजार ने निवेशकों, बैंक और मर्चेंट बैंकर को इस बारे में जानकारी दी है कि सोमवार को बकरीद के मौके पर फंड का सेटलमेंट और सिक्योरिटी का सेटलमेंट नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही इंटर सेगमेंट फंड ट्रांसफर की सुविधा भी सोमवार 17 जून को उपलब्ध नहीं हो पाएगी। इससे पहले 15 जून और 16 जून 2024 को शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश की वजह से शेयर बाजार का कामकाज बंद रहेगा। ऐसे में लगातार तीन दिन शेयर बाजार में छुट्टी रहने वाली है। शेयर बाजार के साथ ही 17 जून को बकरीद के मौके पर कमोडिटी डेरिवेटिव और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट पर सुबह 9 बजे से लेकर 5 बजे तक बंद रहने वाला है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड पर शाम का कामकाज सामान्य तरीके से होगा।

संघ के बयान पर संजय राउत का मोदी पर तंज.....सेवक अहंकारी नहीं हो सकते

मुंबई (ईएमएस)। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) नेता संजय राउत ने भाजपा पर निशाना साधकर कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश में अहंकार की राजनीति रही है और जनता के सेवक अहंकारी नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि जनता ने अहंकार की राजनीति को खत्म कर दिया है। राउत ने आरएसएस के पूर्व प्रमुख नेताओं की प्रशंसा कर कहा कि उन्होंने अतीत में लोकतंत्र को बचाने में योगदान दिया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि आरएसएस अहंकारी भाजपा को सत्ता से हटा देगा।

इंद्रेश को आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत के बाद दूसरे नंबर का नेता माना जाता है। वह जयपुर के पास आयोजित राम रथ अयोध्या यात्रा दर्शन पूजन समारोह में बोल रहे थे। बिना किसी या किसी पार्टी का नाम लिए इंद्रेश कुमार ने कहा कि चुनाव नतीजे कुछ लोगों के रुख को दर्शाते हैं।

सोने का भाव 71,200, चांदी 88,200 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सराफा बाजारों में सोने और चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार को तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,200 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 88,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में भी तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 125 रुपये की तेजी के साथ 71,263 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 84 रुपये की तेजी के साथ 71,222 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 258 रुपये की तेजी के साथ 88,241 रुपये पर खुला। इस समय यह 234 रुपये की तेजी के साथ 88,217 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। चांदी के वायदा भाव सुस्त शुरुआत के बाद सुधर गए। कॉमेक्स पर सोना 2,319.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,318 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,323.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.03 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.06 डॉलर था। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 0.06 डॉलर की तेजी के साथ 29.12 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

यूपी में बीयर की खपत में 10 फीसदी की गिरावट

- देसी शराब पिछले साल अप्रैल महीने की अपेक्षा इस बार खूब पी गई

लखनऊ (ईएमएस)। मौजूदा वित्तीय वर्ष के पहले महीने के ?बीयर और शराब की बिक्री के आंकड़े चौकाने वाले हैं। अप्रैल में भीषण गर्मी के बाद भी यूपी में बीयर की खपत कम हुई, तो देसी शराब पिछले साल अप्रैल महीने की अपेक्षा इस बार खूब पी गई। अंग्रेजी शराब के शौकीन भी पीछे नहीं रहे। एक महीने में प्रदेश में 2.30 करोड़ बोतलें अंग्रेजी शराब की बिकीं। आबकारी विभाग के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 2023 की अपेक्षा अप्रैल 2024 में बीयर की बिक्री में 10 फीसदी की कमी आई है। पिछले साल इस महीने में यूपी में 8.79 करोड़ कैन की खपत हुई थी। इस साल अप्रैल में बीयर की बिक्री में करीब एक करोड़ कैन की कमी आई। अप्रैल 2023 में 6.59 करोड़ लीटर देसी शराब बिकी थी लेकिन इस बार अप्रैल में यूपी वाले 7.40 करोड़ लीटर देसी शराब गटक गए। यह बढ़ोतरी 12.20 फीसदी की है। देसी पीने में सबसे आगे लखनऊ जोन रहा। वहीं, अप्रैल 2023 में प्रदेश में 2.20 करोड़ बोतलें अंग्रेजी शराब की बिकी थीं, जबकि इस बार 2.30 करोड़ बोतलें अंग्रेजी शराब की बिकीं। यूपी लिकर वेलपेयर असोसिएशन के एक अ?धिकारी का कहना है कि उपभोक्ता गर्मी बढ़ने के बावजूद बीयर की बजाए देसी और अंग्रेजी शराब को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी ने आफत मचा रखी है। सुबह से तेज धूप में शहर के रास्ते तपते रहे और भभकती गर्म हवाओं के थपेड़े लोगों को सता रहे हैं। इस बीच गुरुवार को लखनऊ में अधिकतम तापमान 44.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि इससे पहले रात का पारा 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकारी तेल कंपनियां प्र?ति?दिन पेट्रोल और डीजल का नए भाव जारी करती है। तेल कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में फ्यूल की कीमतों में गिरावट हुई तो वहीं देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया। इसी के साथ देश के चार प्रमुख महानगरों को छोड़कर ज्यादातर शहरों में ईंधन के दाम बदल गए। यूपी में पेट्रोल 71 पैसे चढ़कर 96.06 और डीजल 69 पैसे महंगा होकर 89.21 रुपये लीटर हो गया है जबकि राजस्थान पेट्रोल और डीजल के दाम 17-17 पैसे चढ़कर 106.29 और 91.63 रुपये लीटर हो गए हैं। महाराष्ट्र के जलगांव में पेट्रोल 105.56 और डीजल 92.04 रुपये लीटर हो गया है। वहीं बिहार में पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है। बिहार में पेट्रोल 18 पैसे घटकर 107.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 17 पैसे घटकर 93.84 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है।

मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़ाया 6 करोड़ से ज्यादा का सोना, 5 यात्री गिरफ्तार

मुंबई (ईएमएस)। कस्टम अधिकारियों ने मुंबई एयरपोर्ट पर यात्रियों से 10.50 किलोग्राम से अधिक सोना जब्त किया है। इस सोने की बाजार में कीमत 6।64 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

सोना विभिन्न रूपों में छिपा हुआ पाया गया है, जैसे मोम में सोने की धूल, कच्चे आभूषण, ट्रॉली सूटकेस के पहियों के अंदर, बस की सीट के नीचे। कस्टम के अधिकारियों ने 5 लोगों को भी गिरफ्तार किया है।

अदीस अबाबाऔर नैरोबी से यात्रा कर रहे चार विदेशी नागरिकों को रोका गया और उन्हें बुर्के की दाहिनी ओर की जेब और पैक्स के शरीर पर छिपाकर 1363ग्राम सोना ले जाते हुए पाया गया। वहीं दुबई, बैंकॉक, कोलंबो, शारजाह से यात्रा कर रहे पांच भारतीय नागरिकों को रोका गया और ट्रॉली सूटकेस के पहियों के अंदर, शरीर पर और शरीर में 1785 ग्राम सोना छिपाकर ले जाते हुए पाया गया।

24 कैरेट गोल्ड डस्ट इन वैक्स (02 पाउच) जिसका कुल वजन 1550 ग्राम है, जिसका मूल्य 98,78,275/- रुपये है, यात्रियों को रिमोट से एयरपोर्ट बिल्डिंग तक ले जाने वाली बस की सीट के नीचे छिपा हुआ पाया गया।

बहुचर्चित शीना बोरा हत्याकांड में शीना बोरा के अवशेष गुम हुए

मुंबई (ईएमएस)। बहुचर्चित शीना बोरा हत्याकांड में सरकारी पक्ष को साल 2012 में मिले शीना बोरा के अवशेष नहीं मिल रहे हैं। सरकारी पक्ष ने अदालत को बताया कि 2012 में जब शीना बोरा की कथित तौर पर हत्या की गई थी, उस वक्त पेन पुलिस ने कथित तौर पर उसकी हड्डियां और अवशेष बरामद किए थे, लेकिन अब उसका पता नही चल रहा है कि वो कहां है? मुंबई के भायखला इलाके में सरकारी जेजे अस्पताल के एक फॉरेंसिक विशेषज्ञ चिकित्सक की गवाही के दौरान गुरुवार को अभियोजन पक्ष ने यह खुलासा किया।

सीबीआई के मुताबिक, तब जेजे अस्पताल की फोरेंसिक डॉक्टर ने उन हड्डियों की जांच की थी। इन्हें पेन पुलिस ने उस जगह से बरामद किया था, जहां 2012 में कथित तौर पर शीना के शव को ठिकाने लगाने के लिए जला दिया गया था। उस वक्त डॉक्टर ने यह प्रमाणित किया था कि अवशेष मानव के थे। हालांकि अब जब शीना बोरा की हत्या का मुकदमा चल रहा है और सीबीआई गवाह को हड्डियां और अवशेष दिखाकर बयान लेना चाहती थी, लेकिन उसे अवशेष नहीं मिल रहे हैं।

अवशेष नहीं मिलने पर अब तक सुनवाई तीन बार स्थगित हो चुकी है और अब अगली सुनवाई 27 जून को होनी है।

केस के मुताबिक शीना के अवशेष सबसे पहले 2012 में पेन पुलिस स्टेशन के अधिकारी को मिले थे और उन्होंने इसे फोरेंसिक जांच के लिए जेजे अस्पताल मुंबई भेजा था। जांच के बाद अवशेषों को वापस पेन पुलिस स्टेशन भेज दिया गया था।

यह मामला जब सीबीआई को स्थानांतरित किया गया तो एजेंसी ने पेन पुलिस द्वारा बरामद शव के अवशेषों को आगे की विस्तृत जांच के लिए दिल्ली स्थित एम्स भेजा था ताकि यह पुष्टि की जा सके कि क्या 2012 और 2015 में पाए गए अवशेष एक ही व्यक्ति के हैं।

हूती विद्रोहियों ने वाणिज्यिक जहाज को निशाना बनाया

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका ने कहा कि ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी में जहाज रोधी दो क्रूज मिसाइल दागीं और एक वाणिज्यिक जहाज को निशाना बनाया, इससे जहाज में आग लगी व एक व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया।

'अमेरिकी मध्य कमान ने बताया कि एम/वी वर्बेना में अब भी आग लगी हुई है। घटना में झुलसे व्यक्ति को चिकित्सा उपचार के लिए अमेरिकी हेलीकॉप्टर से निकटवर्ती एक अन्य जहाज पर ले जाया गया।

मध्य कमान ने कहा कि यूक्रेन के स्वामित्व वाले वर्बेना जहाज पर पलाउ का झंडा लगा था। पौलेंड द्वार संचालित विशाल मालवाहक जहाज मलेशिया से चला था और लकड़ी लेकर इटली की ओर जा रहा था।

बयान के मुताबिक, एम/वी वर्बेना क्षतिग्रस्त हुआ और उसमें आग लगी। चालक दल आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे है। इजराइल-हमास युद्ध को लेकर हूती विद्रोही इस तरह के हमले कर रहे हैं। ब्रिटेन की सेना के ब्रिटेन समुद्री व्यापार संगठन केंद्र ने कहा कि एक जहाज पर हमला किया गया जिससे जहाज में आग लग गयी। निजी सुरक्षा कंपनी एम्ब्रे ने कहा कि एक मालवाहक जहाज ने सूचना दी कि जहाज पर मिसाइल से हमला किया गया।

जी 7 शिखर सम्मेलनः राष्ट्रपति मैक्रॉन के साथ पीएम मोदी की बैठक,चीन की आक्रामता को लेकर चिंतित जी-7

अपुलिया (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपुलीया में जी7 शिखर सम्मेलन से इतर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। पीएम मोदी की बोर्गो एग्नाज़िया रिसॉर्ट में विश्व के अन्य नेताओं के साथ कई बैठकों की योजना है।

चीन पर जी-7 नेता

जी7 लोकतंत्र रूस की सैन्य कार्रवाइयों के चीन के कथित समर्थन पर साझा प्रतिक्रिया तलाश रहा हैं, जिसके बारे में अमेरिका का कहना है कि इससे यूक्रेन में युद्ध बिगड़ रहा है। वहीं जापानी सरकार के सूत्र ने बताया, जी7 देश इस बात पर सहमत हैं कि चीन से कैसे निपटा जाए। यह बैठक चीन और पश्चिम के बीच व्यापार संबंधों के खराब होने के बीच हो रही है। अमेरिका, जापान और यूरोपीय संघ, जो अनौपचारिक आठवें सदस्य के रूप में जी 7 शिखर सम्मेलन में शामिल होता है, सभी चीन की औद्योगिक अतिक्षमता से चिंतित हैं। उनका कहना है कि बीजिंग की बड़ी सब्सिडी, विशेष रूप से हरित ऊर्जा और सौर पैनल और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसी प्रौद्योगिकी में, बहुत सस्ते उत्पादों को जन्म देती है जो वैश्विक बाजार में बाढ़ ला देते हैं।

इटली की संसद में क्या हुआ...डर गए जी7 के मेहमान

एक ओर इटली जी7 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर उसके संसद में खूब मारपीट मचा है। इटली की संसद का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इटली की संसद में सांसदों के बीच एक बिल को लेकर जमकर लात-घूंसा चला। संसद के भीतर मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वक्त इटली में जी7 देशों के मेहमानों के साथ-साथ वहां तमाम देशों के मेहमान मौजूद हैं जिन्हें इटली ने जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक इटली के कुछ क्षेत्रों को स्वायत्ता देने से जुड़े एक बिल को लेकर संसद के भीतर विवाद शुरू हुआ था। इस बिल का समर्थन करने वाले विरोधी सांसदों के बीच शुरू हुआ विवाद बाद में मारपीट तक जा पहुंचा।

मक्का पहुंचे हज यात्री.....वार्षिक हज यात्रा शुरु, क्या टूटेगा 2019 का रिकॉर्ड

रियाद (ईएमएस)। मक्का में मुस्लिम तीर्थयात्री रेगिस्तान में एक विशाल तम्बू शिविर में शुक्रवार को एकत्र हुए और आधिकारिक तौर पर वार्षिक हज यात्रा की शुरुआत की। अपनी यात्रा से पहले उन्होंने इस्लाम के सबसे पवित्र स्थल ग्रैंड मस्जिद में घन के आकार के काबा की परिक्रमा की। हज के लिए दुनिया भर से 1.5 मिलियन से अधिक तीर्थयात्री पहले ही मक्का में और उसके आसपास एकत्र हो चुके हैं, सऊदी अरब के अंदर से अधिक तीर्थयात्रियों के शामिल होने से यह संख्या अभी भी बढ़ रही है। सऊदी अधिकारियों को उम्मीद है कि इस साल तीर्थयात्रियों की संख्या 2 मिलियन से अधिक होगी।

इस साल का हज गाजा पट्टी में इजरायल और फिलिस्तीनी आतंकवादियों के बीच भीषण युद्ध की पृष्ठभूमि में आया, जिसने पूरे मध्य पूर्व को एक ओर इजरायल और उसके सहयोगियों और दूसरी ओर ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों के बीच क्षेत्रीय युद्ध के कगार पर धकेल दिया।

फिलिस्तीनी अधिकारियों ने कहा कि कब्जे वाले वेस्ट बैंक से 4,200 तीर्थयात्री हज के लिए मक्का पहुंचे। सऊदी अधिकारियों ने कहा कि गाजा में युद्ध में मारे गए या घायल हुए फिलिस्तीनियों के परिवारों से 1,000 अन्य लोग भी सऊदी अरब के राजा सलमान के निमंत्रण पर हज करने के लिए पहुंचे।

बिना सदस्य जी7 में दिखी भारत की धाक -भारत-इटली द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत

रोम (ईएमएस)। जी7 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक नेताओं से मुलाकात की। वैश्विक नेताओं से मुलाकात करते हुए पीएम मोदी ने शुक्रवार को इटली की प्रधानमंत्री और जी7 शिखर सम्मेलन की मेजबान जार्जिया मेलोनी से मुलाकात की। खास बात यह है कि इटली की पीएम ने भारतीय अंदाज में नमस्ते करके पीएम मोदी का स्वागत किया। भारत जी7 समूह का सदस्य देश नहीं है पर इटली की पीएम मेलोनी ने पीएम मोदी को खास मेहमान के रूप में आमंत्रित किया है। दोनों देशों के द्विपक्षीय रिश्तें काफी मजूबत हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने पारंपरिक जी7 पारिवारिक फोटो से पहले वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर अपुलिया में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान पीएम मोदी ने भारत-ब्रिटेन के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की।

मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत, यूक्रेन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ बैठक बहुत सार्थक रही। मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने रक्षा, एआई (कृत्रिम मेधा), महत्वपूर्ण तकनीक और अंतरिक्ष जैसे प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मेलन के आउटरीच सत्र में पोप फ्रांसिस से मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने गले मिलकर उनसे भेंट की।

भड़काऊ भाषण देने के मामले में अरुंधति रॉय और कश्मीर के एक पूर्व प्रोफेसर के खिलाफ चलेगा मुकदमा

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने लेखिका अरुंधति रॉय और कश्मीर के एक पूर्व प्रोफेसर के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। इन दोनों पर वर्ष 2010 में एक कार्यक्रम में कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने का आरोप है।

अधिकारियों ने बताया कि रॉय और कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर शेख शौकत हुसैन के खिलाफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट, नयी दिल्ली की अदालत के आदेश के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

इस मामले में कश्मीर के एक सामाजिक कार्यकर्ता सुशील पंडित की शिकायत पर 28 अक्टूबर, 2010 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। राज निवास के एक अधिकारी ने बताया,''दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इस मामले में अरुंधति रॉय और कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय कानून के पूर्व प्रोफेसर डॉ। शेख शौकत हुसैन के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धारा 45 (1) के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है।''

चीनी कब्जे के खिलाफ बिल पास

वाशिंगटन (ईएमएस)।अमेरिकी संसद में तिब्बत से जुड़ा एक बिल पास किया गया है। इस एक्ट के तहत अमेरिका दुनियाभर में चीन के तिब्बत को लेकर फैलाए गए झूठ का जवाब देगा। इसके अलावा वो चीन और दलाई लामा के बीच बिना शर्त समझौता कराने की कोशिश भी करेगा। इस दौरान अमेरिकी अधिकारी चीन के तिब्बत को अपना हिस्सा बताने वाले दावों को भी खारिज करेंगे। राष्ट्रपति जो बाइडेन त्र7 समिट से लौटने के बाद इस बिल पर साइन करेंगे। रिजॉल्व तिब्बत एक्ट बिल बुधवार (12 जून) को अमेरिकी संसद के दोनों सदनों (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट) में पास हुआ था।

मुंबई में दो दिन के ब्रेक के बाद शुरु हुई बारिश

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई में दो दिन के बाद शुक्रवार को अधिकांश हिस्सों में फिर बारिश हुई जिससे लोगों को तपिश और उमस से राहत मिली। मुंबई नगर निगम के अधिकारी ने बताया कि गरज के साथ बारिश शुरू हुई लेकिन इससे शहर में कहीं भी बड़ी मात्रा में जलभराव की कोई खबर नहीं है।

अधिकारी ने बताया कि रेलवे और बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बीईएसटी) बस की सार्वजनिक परिवहन सेवाएं काफी हद तक सामान्य हैं, हालांकि कुछ स्थानों से सेवाओं में कुछ विलंब की सूचना है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले 24 घंटे में शहर और उपनगरों में बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जाहिर किया है। मुंबई में मॉनसून अपनी सामान्य तिथि 11 जून से दो दिन पहले नौ जून को पहुंचा, इसके बाद भी पिछले दो दिनों में महानगर में बारिश नहीं हुई जिससे वहां मौसम उमस भरा रहा। मुंबई नगर निगम के अधिकारी ने बताया कि गरज के साथ बारिश शुरू हुई लेकिन इससे शहर में कहीं भी बड़ी मात्रा में जलभराव की कोई खबर नहीं है।

जी7 में सुनक से खास अंदाज में मिलीं जॉर्जिया, बटोर रहीं सुर्खियां

अपुलिया,(ईएमएस)। इटली में आयोजित जी-7 सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे देशों के राष्ट्राध्यक्षों का स्वागत जिस अंदाज में इटली की प्रधानमंत्री ने किया वह अब चर्चा का विषय बन गया है। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इटली पहुंचे हैं। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने मेहमानों को स्वागत बहुत गर्मजोशी के साथ किया। उनका खास अंदाज सुर्खियां बटोर रहा है।

दरअसल एक तरफ जहां पीएम मेलोनी ने भारतीय अंदाज में नमस्ते करके अनेक राष्ट्राध्यक्षों का स्वागत किया तो वहीं यूके के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से जब वो मिलीं तो उनका अंदाज इतना खास था कि सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। देखने वाले लोग इस वीडियो पर मीम्स बनाने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। यहां बताते चलें कि इटली में तीन दिवसीय जी7 सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इसमें शामिल होने यूके के पीएम ऋषि सुनक गुरुवार को ही इटली पहुंचे थे। इस बीच जब सुनक इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के पास पहुंचे तो दोनों नेताओं ने एक दूसरे को किस करते हुए एक दूसरे की बाहें थाम बातों में मशरुफ हो गए। इस खास अंदाज वाले अभिवादन का वीडियो अब सोशल मीडया पर वायरल हो रहा है और यूजर्स मीम बनाने से चूक नहीं रहे हैं। यहां कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी से जोड़कर भी मीम बनाए हैं। उनके नमस्ते करने पर कुछ ने कहा कि मेलोनी पर भारतीय रंग चढ़ गया है और इसलिए वह नमस्ते करके भी नेताओं का स्वागत कर रही हैं। बहरहाल जिस गर्मजोशी से इटली की प्रधानमंत्री ने राष्ट्रध्यक्षों का स्वागत किया वह अंदाज सभी को लुभाया बहुत है।

न्यायाधीश ने पाकिस्तान खुफिया एजेंसी आईएसआई पर लगाया आरोप

लाहौर (ईएमएस)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाले न्यायाधीश ने आईएसआई पर अपने पक्ष में फैसले कराने के मकसद से उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को परेशान करने का आरोप लगाया है।

आतंकवाद रोधी अदालत (सरगोधा) के न्यायाधीश मोहम्मद अब्बास ने लाहौर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मलिक शहजाद अहमद खान को एक पत्र लिखकर बताया है कि किस तरह खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के अधिकारियों ने उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को परेशान किया है।

न्यायाधीश संसद में नेता प्र

सोसायटी में ४६१ हिन्दू परिवार रहते हैं, दूसरे धर्म के लोग स्वीकार नहीं

वडोदरा में मुस्लिम महिला को फ्लैट दिए जाने का विरोध

४४ साल की मुस्लिम महिला कौशल विकास विभाग में काम करती है, वह अकेली मुस्लिम है, जिसे सोसायटी में फ्लैट मिला है

वडोदरा, १४ जून ।

गुजरात के वडोदरा शहर स्थित हरणी के एक रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में लोगों ने मुस्लिम महिला को फ्लैट देने का विरोध किया है। मामला मोटनाथ रेजीडेंसी कोऑपरेटिव हाउसिंग सर्विसेज सोसाइटी लिमिटेड का है। यहां रहने वाले ३३ लोगों ने कलेक्टर को आवेदन देकर महिला का अलोटमेंट कैंसल करने की मांग की है। दरअसल, वडोदरा म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ने हरणी में मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत २०१७ में ४६२ फ्लैट्स बनाए थे। इनमें ४६१ फ्लैट में हिन्दू परिवार रहते हैं। ४४ साल की मुस्लिम महिला कौशल विकास विभाग में काम करती है। वह अकेली मुस्लिम है, जिसे सोसायटी में फ्लैट मिला है।

सोसायटी वालों के कहा है कि हरणी हिंदुओं का इलाका है। यहां लगभग चार किलोमीटर के दायरे में मुस्लिमों की एक भी बस्ती नहीं है। ऐसे में अगर किसी मुस्लिम महिला को यहां घर दिया गया, तो यह हमारी जिंदगी में आग लगाने जैसा होगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुस्लिम महिला ने बताया कि उसे २०१७ में लो इनकम हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में फ्लैट मिला था। वह अपने १२ साल के बेटे के साथ यहां शिफ्ट होना चाहती थी। हालांकि, उसके शिफ्ट होने से पहले ही २०२० में विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गया। यहां के लोगों ने मुख्यमंत्री कार्यालय को पत्र लिखकर महिला के घर के आवंटन को अमान्य करने की मांग की। उस समय हरणी पुलिस स्टेशन ने सभी संबंधित पक्षों के बयान दर्ज किए थे और मामले का निपटारा कर दिया था। हालांकि, अब जब महिला मकान में शिफ्ट होने वाली है, तो सोसायटी में १० जून से फिर प्रदर्शन शुरू हो गया है।

महिला फिलहाल अपने माता-पिता और बेटे के साथ वडोदरा के दूसरे एरिया में रहती है। उसने कहा, 'मैं वडोदरा में एक मिश्रित परिवेश में पली-बढ़ी हूं। मेरे परिवार ने कभी यह नहीं सोचा कि हम मुस्लिम इलाके में ही रहेंगे। मैं हमेशा चाहती था कि मेरा बेटा एक ऐसे परिवेश में बड़ा हो, जहां हर धर्म-जाति के लोग रहते हैं।' महिला ने आगे कहा, 'मेरे सारे सपने अब टूट गए है। लगभग छह साल हो गए, लेकिन मुझे अब तक कोई समाधान नहीं मिला है। मेरा बेटा अब १२वीं कक्षा में है और इतना बड़ा हो गया है कि समझ सके कि क्या हो रहा है। इस तरह के भेदभाव से उसके दिमाग पर असर पड़ेगा।'

महिला ने कहा, 'मैं लोगों के विरोध के कारण अपनी मेहनत से कमाई गई संपत्ति को बेचना नहीं चाहती। मैं इंतजार करूंगी। मैंने कई बार कॉलोनी की मैनेजिंग कमेटी से भी बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। विरोध से २ दिन पहले उन्होंने मुझसे मेंटेनेंस फीस के बारे में पूछा था। मैं वन टाइम मेंटेनेंस चार्ज के तौर पर ५०,००० रुपए नगर निगम को पहले ही दे चुकी हूं।

सोसायटी के लोगों का कहना है कि अगर मुस्लिम परिवारों को रहने की अनुमति दी गई तो यहां कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है। एक हस्ताक्षरकर्ता ने कहा कि हम सभी ने इस कॉलोनी में घर इसलिए बुक किए हैं, क्योंकि यह एक हिंदू एरिया है और हम नहीं चाहते कि दूसरे धर्म के लोग हमारे बीच रहें। यह नगर निगम की गलती है। उन्होंने फ्लैट देने से पहले जांच नहीं की। मुस्लिम महिला के फ्लैट के पड़ोस में रहने वाले एक शख्स ने पहचान उजागर न करने की शर्त पर बताया कि हाउसिंग कॉलोनी में रहने वाले कई परिवार मांसाहारी हैं। लेकिन यह मामला सिर्फ खान-पान का नहीं है बल्कि परिवेश के बारे में है। अलग धर्म के लोगों के बारे में सोचकर यहां के लोग चिंता में हैं। हम एक अल्पसंख्यक परिवार के साथ हमारे पड़ोस में रहने में सहज महसूस नहीं करते हैं। मुस्लिम महिला उद्यमिता और कौशल विकास मंत्रालय में काम करती है और सीएम आवास योजना के तहत उन्हें फ्लैट मिला है।

टीएमसी सांसद यूसुफ पठान को झटका, वीएमसी ने दिया नोटिस

वडोदरा, १४ जून ।

वडोदरा नगर निगम ने कथित तौर पर एक जमीन पर अतिक्रमण करने के लिए यूसुफ पठान को नोटिस भेजा गया है जिसे नगर निगम ने अपना बताया है। पूर्व भाजपा पार्षद विजय पवार ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने २०१२ में पठान को जमीन बेचने के वीएमसी के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था लेकिन उन्होंने जमीन पर अतिक्रमण कर लिया।

गुजरात में भाजपा शासित वडोदरा नगर निगम (वीएमसी) ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर और टीएमसी सांसद यूसुफ पठान की परेशानियां बढ़ा दी है। कथित तौर पर एक जमीन पर अतिक्रमण करने के लिए यूसुफ को नोटिस भेजा गया है, जिसे नगर निगम ने अपना बताया है।

पठान को ६ जून को नोटिस भेजा गया था, लेकिन वीएमसी की स्थायी समिति के अध्यक्ष शीतल मिस्त्री ने गुरुवार को मीडिया को इस बारे में जानकारी दी, जब पूर्व भाजपा पार्षद विजय पवार ने इस मुद्दे को उठाया। बता दें कि पूर्व ऑलराउंडर पठान ने लोकसभा चुनाव में बहरामपुर निर्वाचन क्षेत्र से टीएमसी की टिकट पर जीत हासिल की है।

विजय पवार ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने २०१२ में पठान को जमीन बेचने के वीएमसी के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था, लेकिन नव निर्वाचित सांसद ने एक परिसर की दीवार बनाकर जमीन पर अतिक्रमण कर लिया था।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल लोगों की समस्याएं सुनने आणंद जिले के सारसा गांव पहुंचे

- ग्रामीणों द्वारा रखी गई समस्याओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का दिया आश्वासन

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के सरल एवं सहज व्यक्तित्व और जनसेवक के रूप में अनोखी जनसंवेदना का एक और परिचय आणंद जिले के सारसा के ग्रामीणों को हुआ। भूपेंद्र पटेल ने शालीन, दृढ़ और निर्णायक मुख्यमंत्री के तौर पर जो लोकप्रियता हासिल की है, वह शुक्रवार को उनके सारसा गांव के दौरे से और अधिक मजबूत हुई है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल शुक्रवार सुबह राज्य के मुख्य सचिव राज कुमार, राजस्व विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार दास तथा मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) धीरज पारेख के साथ सारसा गांव पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सारसा गांव में बिना किसी स्वागत की औपचारिकता के ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद किया। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के समक्ष सामूहिक स्वास्थ्य केंद्र में बेड की सुविधा बढ़ाने, आणंद-सारसा को जोड़ने वाली सड़क की मरम्मत करने, किसानों को मिलने वाली ट्रैक्टर सहायता के संबंध में, सखी मंडलों को आर्थिक गतिविधियों के लिए जगह आवंटित करने और ग्राम पंचायत को दिए जाने वाले स्वच्छता अनुदान में बढ़ोतरी करने जैसी समस्याओं को रखा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के लिए स्थल पर ही मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव और जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों द्वारा रखी गई समस्याओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आश्वासन भी दिया। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों और कर्मचारियों से ऐसी कार्य संस्कृति विकसित करने का अनुरोध किया, जिसमें सरकारी कार्यालयों में आने वाले आवेदकों को अपने काम के लिए धक्के ना खाने पड़ें। इतना ही नहीं, उनका मान-सम्मान भी बना रहे और जब आवेदक कार्यालय से बाहर निकले तब उसके चेहरे पर संतुष्टि की मुस्कान हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालते ही तीन करोड़ नए आवास बनाने की मंजूरी दी है और यह सुनिश्चित किया है कि जरूरतमंद लोगों को पक्की छत मिले। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों को बिजली बिल से मुक्ति के लिए सारसा गांव के सभी घरों में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के विभिन्न योजनागत लाभों के 10 चेक और उपकरण सहायता का लाभार्थियों को वितरण किया। श्री भूपेंद्र पटेल ने सारसा ग्राम पंचायत का दौरा भी किया और ग्राम पंचायत के प्रांगण में पौधा लगाया। मुख्यमंत्री ने सारसा स्थित सत कैवल मंदिर जाकर दर्शन-पूजन किया। गादीपति श्री अविचलदास जी महाराज ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री की सादगी, सहजता और ग्रामीण नागरिकों के साथ गर्मजोशी भरे व्यवहार से ग्रामीणों ने 'अपनी सरकार का अपना मुख्यमंत्री' का संतोष भाव महसूस किया।

बिपरजॉय का एक सालः सरकार ने ऐसे हासिल किया 'जीरो कैजुअल्टी' का लक्ष्य

बिपरजॉय का एक सालः सरकार ने ऐसे हासिल किया 'जीरो कैजुअल्टी' का लक्ष्य

- 76 मल्टीपर्पज साइक्लोन शेल्टर्स का निर्माण, 1 लाख 56 हजार से अधिक लोगों का स्थानांतरण

- आपदा मित्र योजना के अंतर्गत डिजास्टर रिस्पॉन्स का प्रशिक्षण, जनभागीदारी से क्षमता निर्माण की पहल

गांधीनगर (ईएमएस) भारत में आपदा प्रबंधन के मुद्दे पर वर्षों तक किसी गहन विचार-विमर्श और कार्रवाई के अभाव में नागरिकों को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। प्रकृति के कहर के सामने मनुष्य की लाचारी तो स्पष्ट थी ही, लेकिन ठोस आयोजन तथा दूरदर्शी विजन के अभाव ने मानों इस लाचारी को और बढ़ा दिया था। जिस देश में प्राकृतिक आपदाओं का साया हमेशा मंडराता रहता हो, वहां आवश्यकता थी एक ऐसे विजन की, जो आपदा प्रबंधन को सही मायनों में धरातल पर उतारता हो। वर्ष 2001 में कच्छ में आए विनाशक भूकंप के बाद केवल 13 दिनों के भीतर ही गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जीएसडीएमए) के गठन के साथ ही आपदा प्रबंधन को जीरो कैजुअल्टी के लक्ष्य की ओर ले जाने की शुरुआत हुई थी।

आपदा से पहले सुदृढ़ आयोजन, गुजरात का मॉडल देश में हुआ लागू

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपदा प्रबंधन की समूची प्रक्रिया को बदल दिया। जिस तरह उन्होंने आतंकवाद और सुरक्षा के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई है, उसी तरह आपदा प्रबंधन के मुद्दे को लेकर भी उनका दृष्टिकोण 'जीरो कैजुअल्टी' का है। उन्होंने आपदा के बाद राहत पहुंचाने के साथ-साथ संभावित आपदा की पूर्व तैयारियों, खास तौर पर अंतिम व्यक्ति तक उन तैयारियों को पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। सभी विभागों के बीच समन्वय को सुदृढ़ किया गया और तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2003 में जीएसडीएमए अधिनियम के माध्यम से आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को विशेष शक्तियां दी गईं।

अब, गुजरात का यह मॉडल देश भर में लागू हो गया है। इस मॉडल के प्रभावी कार्यान्वयन के चलते वर्ष 2023 के जून महीने में आए चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के दौरान जीरो कैजुअल्टी के लक्ष्य को हासिल करने में सफलता मिली। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में एक सटीक कम्युनिकेशन प्लान, लाइजनिंग, फील्ड सपोर्ट, स्थानांतरण के लिए शेल्टर होम की व्यवस्था और आपदा के बाद की स्थिति में कामकाज का बारीकी से आयोजन किया गया।

डेटा आधारित निर्णय प्रक्रिया : 17 दिनों में 2 करोड़ 64 लाख मैसेज भेजे गए

आपदा के दौरान जनहानि को टालने में एक महत्वपूर्ण मुद्दा लोगों को प्राकृतिक आपदा के बारे में समय पर और सही सूचना पहुंचाने का था। आपदा के दौरान हुए अनुभवों से सरकार के ध्यान में यह बात आई कि यदि प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक समय पर सूचना पहुंचा दी जाए, तो उनका स्थानांतरण आसान हो जाता है। बिपरजॉय के समय गुजरात में स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (एसईओसी) के माध्यम से एक विशेष सॉफ्टवेयर की मदद से सभी नेटवर्कों के मोबाइल धारकों को मौसम विभाग के अपडेट भेजे गए थे। बिपरजॉय के समय 1 जून से 17 जून, 2023 के दौरान बनासकांठा, कच्छ, मेहसाणा, साबरकांठा, पाटण, द्वारका, जामनगर, मोरबी और जूनागढ़ के प्रभावित क्षेत्रों में सभी मोबाइल ऑपरेटरों के उपयोगकर्ताओं को 2 करोड़ 64 लाख संदेश भेजे गए थे।

इस दौरान सरकार ने एक नई पहल के अंतर्गत टीवी पर भी स्क्रोल मैसेज के रूप में यह संदेश प्रसारित किए थे। ये मैसेज गुजराती और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में प्रसारित किए गए थे और लोगों को समय पर सूचना मिलने के कारण स्थानांतरण काफी आसान हो गया था। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के सटीक ट्रैकिंग और

मुख्यमंत्री ने खेडा तहसील के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक सुझाव व मार्गदर्शन दिए

- भूपेन्द्र पटेल ने आगंतुकों के साथ बातचीत कर प्रशासन के कामकाज पर प्रतिक्रियाएँ जानीं

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य सरकार के कार्यालयों में होने वाले जनोन्मुखी कामकाज के निरीक्षण एवं कर्मयोगियों के लोगों के साथ आचरण-व्यवहार की जानकारी प्राप्त करने के लिए जिला प्रशासन के कार्यालयों के औचक दौरे का जन संवेदनोन्मुखी दृष्टिकोण अपनाया है। पटेल इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए शुक्रवार सुबह खेडा तहसील सेवा सदन की सरप्राइज विजिट करने पहुँचे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल आणंद के सारसा में ग्रामीणजनों के साथ संवाद कार्यक्रम पूर्ण कर बिना किसी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के खेडा तहसील सेवा सदन के औचक दौरे पर पहुँचे। उन्होंने तहसील सेवा सदन में अपने कामकाज के लिए आम नागरिकों, विजिटर्स के साथ बातचीत कर प्रशासन के कामकाज के बारे में उनकी प्रतिक्रियाएँ जानीं। पटेल ने तहसील सेवा सदन की रोजमर्रा की कार्यवाही का निरीक्षण कर यह जानने का प्रयास किया कि लोगों को आय प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र आदि समय पर मिलते हैं या नहीं ? उन्होंने तहसील सेवा सदन में कार्यरत ई-धरा केन्द्र के कामकाज का सूक्ष्मतापूर्वक निरीक्षण किया। इतना ही नहीं; मुख्यमंत्री ने निर्देश भी दिए कि कोई भी अनावश्यक पंजीकरण स्वीकृत न हो तथा विवादित पंजीकरण का समय रहते निपटारा हो। उन्होंने यह निर्देश भी दिए कि किसान जिस दिन दस्तावेज पंजीकरण कराएँ, उसी दिन ई-धरा केन्द्र में उसका ऑटोजनरेटड पंजीकरण हो जाए। मुख्यमंत्री ने इस विजिट के दौरान यह भी जाना कि किसानों के खेतों से होकर गुजरने वाले रास्तों से संबंधित केस, जन्म प्रमाणपत्र तथा अन्य शिकायतों का समय रहते निवारण होता है या नहीं? उन्होंने अपने कामकाज के लिए कार्यालय आने वाले लोगों के लिए पीने के पानी, बैठने की व्यवस्था, कूड़ा सफाई-स्वच्छता एवं अन्य सुविधाओं के विषय में जिला प्रशासन को आवश्यक सुझाव दिए। भूपेंद्र पटेल के इस औचक दौरे के पर जनप्रतिनिधियों तथा पदाधिकारियों ने भी उनसे मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने तहसीलदार, तहसील विकास अधिकारी सहित कई अन्य अधिकारियों के साथ भी बैठ कर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

अहमदाबाद की पीआरएल के वैज्ञानिकों ने

मंगल पर हमारे वैज्ञानिकों ने खोजे ३ क्रेटर्स, मिले भारतीय नाम

अहमदाबाद, १४ जून ।

अहमदाबाद की फिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी (पीआरएल) के वैज्ञानिकों ने मंगल ग्रह पर तीन नए क्रेटर्स (गोल आकार के विशाल गड्ढे) खोजे हैं। इनमें से एक क्रेटर का नाम पीआरएल के पूर्व निदेशक प्रोफेसर देवेंद्र लाल के नाम पर 'लाल', जबकि बाकी दो का उत्तर प्रदेश और बिहार के कस्बों के नाम पर 'मुरसान' तथा 'हिलसा' रखा गया। इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन (आइएयू) ने इन नामों को मंजूरी दे दी है। मुरसान उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में और हिलसा बिहार के नालंदा जिले में है।भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग की इकाई पीआरएल के वैज्ञानिकों के शोध के नतीजे एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में छपे हैं। इसमें बताया गया कि तीनों क्रेटर्स मंगल के थारसिस इलाके में हैं, जो ज्वालामुखियों से भरा है। लाल क्रेटर ६५ किलोमीटर चौड़ा है। प्रोफेसर देवेंद्र लाल १९७२ से १९८३ के बीच पीआरएल के डायरेक्टर थे। उनकी गिनती देश के प्रमुख कॉस्मिक रे भौतिक वैज्ञानिकों में होती है।

मुरसान क्रेटर १० किलोमीटर चौड़ा है। यह लाल क्रेटर की पूर्वी रिम पर टिका है। इसका नाम उत्तर प्रदेश के मुरसान कस्बे पर इसलिए रखा गया, क्योंकि वहां पीआरएल के मौजूदा निदेशक डॉ. अनिल भारद्वाज का जन्म हुआ था। वह देश के नामी प्लैनेटरी साइंटिस्ट हैं। खोजकर्ताओं की टीम में शामिल डॉ. शजीव रंजन भारती का जन्म हिलसा (बिहार) पर हुआ था, इसलिए तीसरे क्रेटर का नाम 'हिलसा' रखा गया।

हिलसा क्रेटर भी १० किलोमीटर चौड़ा है। यह लाल क्रेटर की पश्चिमी रिम पर ओवरलैप करता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि लाल क्रेटर का पूरा इलाका लावा से भरा है। हालांकि नासा के मार्स रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एमआरओ) पर लगे उपकरण से पता चला था कि इस क्रेटर की सतह के नीचे ४५ मीटर मोटी तलछट जमा है। इससे अनुमान जताया गया कि मंगल की सतह पर कभी पानी मौजूद था।

प्रगतिशील किसान ने कम खर्च में होने वाली प्राकृतिक खेती में पाई सफलता

सूरत (ईएमएस) रासायनिक कीटनाशकों तथा यूरिया उर्वरक की खर्चीली खेती को तिलांजलि देकर किसान अब बड़ी संख्या में प्राकृतिक खेती की ओर मुड़ रहे हैं, तब सूरत जिले में मांडवी तहसील के बलेठी गाँव के किसान वालजीभाई रायाभाई चौधरी नेप्राकृतिक खेती में भी एक कदम आगे बढ़ कर जंगल मॉडल आधारित प्राकृतिक खेती शुरू कर सफलता पाई है। जुताई और उर्वरक रहित यह प्राकृतिक खेती करने वाले वालजीभाई ने पहली बार दो एकड़ भूमि में प्रयोग कर अपेक्षित परिणाम प्राप्त किया है। इसके बाद वे लगातार सात वर्षों से जंगल मॉडल आधारित खेती कर अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायक बने हैं। इस पद्धति से वे मामूली खर्च में एक ही भूमि में 20सेअधिक प्रकार की फसलों का उत्पादन प्राप्त कर 12 लाख रुपए सालाना आय अर्जित कर रहे हैं।

पिछले सात वर्षों से जंगल मॉडल आधारित प्राकृतिक खेती कर अच्छी फसल, अधिक त्पादन तथा आय प्राप्त होने पर हर्ष के साथ किसान वालजीभाई चौधरी ने कहा, ''बचपन से ही मुझे खेती के प्रति लगाव रहा है, जिसमें सब्जियों के खेती में मैं अधिक रुचि लेता और सब्जियों की देखभाल खुद ही करता। कक्षा 8 तक की पढ़ाई कर सिलाई क्लास में सिलाई सीख कर मैं दरजी के काम के साथ जुड़े, जिसके कारण खेती से दूर हो गया, परंतु वर्ष 1982 में मैंने दरजी काम छोड़ कर परंपरागत खेती करने का निश्चय किया और पुनः खेती की ओर रुख किया। इसके बाद मैंने वर्ष 2017 में खेती से जुड़े विभिन्न शिविरों से प्राकृतिक खेती का मार्गदर्शन प्राप्त किया। मुझे आत्मा प्रोजेक्ट के शिविर के जरिये प्राकृतिक खेती की प्रेरणा मिली थी। इसके बाद मैंने वर्ष 2018 में एक गाय खरीद कर प्राकृतिक खेती की शुरुआत की।'' किसान वालजीभाई चौधरी आगे कहते हैं कि पहले रासायनिक खेती में आय नहीं होने पर वे जंगल मॉडल आधारित प्राकृतिक खेती की ओर मुड़े, जिसमें किसी प्रकार की जुताई किए बिना खेती की शुरुआत की। इस खेती में सभी फसलें एक साथ बोनी होती हैं। इसलिए उन्होंने खेत में एक साथ 20 से 25 फसलों की बुवाई की। इनमें अनाज, दलहन, सब्जियाँ, फल की फसलें शामिल हैं। फल की खेती में अनार, चीकू, अमरूद, सीताफल के साथ सब्जियों की बुवाई की गई है। ज्वार, बाजरा, मक्का जैसे अनाज की भी वे बुवाई कर रहे हैं।

मामा ने सगी भांजी से किया दुष्कर्म, जांच में जुटी भेस्तान पुलिस

सूरत (ईएमएस) शहर के भेस्तान क्षेत्र में मामा द्वारा 9 वर्षीय अपनी सगी भांजी के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है पीड़िता की पिता की शिकायत के आधार भेस्तान पुलिस आरोपी मामा के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है जानकारी के मुताबिक बिहार के भागलपुर जिले के अमरपुर थाना क्षेत्र का निवासी शख्स सूरत के भेस्तार क्षेत्र में रहनेवाली अपनी सगी बहन के घर रहने आया था इस दौरान शख्स ने अपनी सगी भांजी को अपनी हवस का शिकार बनाया घर में जब कोई नहीं होता तब कलयुगी मामा 9 वर्षीय अपनी सगी भांजी के साथ दो-तीन बार दुष्कर्म किया और जान से मारने की धमकी दी मामा की धमकी से भयभीत पीड़ित बच्ची ने किसी को कुछ नहीं बताया लेकिन मामा ने फिर उसके साथ दुष्कर्म किया तो पीड़िता ने अपनी माता से इसकी शिकायत कर दी माता ने बच्ची के पिता को पूरी घटना बताई और मामला पुलिस थाने पहुंच गया बच्ची के पिता की शिकायत के आधार पर सूरत के भेस्तान पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कर कानूनी कार्यवाही शुरू की है

पश्चिम रेलवे चलाएगी उधना-भागलपुर और उधना-बरौनी के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को समायोजित करने के उद्देश्य से उधना-भागलपुर और उधना-बरौनी के बीच विशेष किराए पर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार स्पेशल ट्रेन का विवरण निम्नानुसार है: 1. ट्रेनसंख्या09015/09016 उधना -भागलपुर स्पेशल (अना रक्षित) (02फेरे) शनिवार,15 जून, 2024को 11.15 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19.15 बजे भागलपुर पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या09016भागलपुर-उधना स्पेशल रविवार, 16 जून, 2024 को22.40 बजे भागलपुर से प्रस्थान करेगी औरमंगलवार,18जून, 2024 को 09.00 बजे उधना पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, व्यारा, नंदुरबार, दोंडाइचा, अमलनेर, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं.दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, किऊल, अभयपुर, जमालपुर और सुल्तानगंज स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09017/09018 उधना - बरौनी स्पेशल (अनारक्षित)ड02 फेरे. रविवार, 16 जून, 2024 को 11.15 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 17.00 बजे बरौनी पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09018 बरौनी-उधनास्पेशल सोमवार,17जून, 2024को 22.00बजे बरौनी से प्रस्थान करेगी और बुधवार,19 जून, 2024 को 06.00 बजे उधना पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, व्यारा, नंदुरबार, दोंडाईचा, अमलनेर, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर और पाटलिपुत्र स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेनों के ठहराव और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपयाँ .हिलिब.ग्रीहिंग.दुन.ग्रह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

इंदौर-गांधीधाम और वेरावल-इंदौर महामना एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी

पश्चिम रेलवे के आणंद-गोधरा सेक्शन के बीच दौहरीकरण कार्य के चलते ब्लॉक लिए जाने के कारण इंदौर-गांधीधाम एक्सप्रेस और वेरावल-इंदौर महामना एक्सप्रेस आंशिक परिवर्तित मार्ग से चलेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

ङ ट्रेन नं 19319 वेरावल-इंदौर महामना एक्सप्रेस 19.06.2024 और 26.06.2024 को परिवर्तित मार्ग वाया गेरतपुर – आणंद - बाजवा - छायापुरी - गोधरा के रास्ते चलेगी।

ङ ट्रेन नं 20936 इंदौर - गांधीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस 16.06.2024,23.06.2024 और 30.06.2024 को परिवर्तित मार्ग वाया गोधरा – छायापुरी – बाजवा – आणंद - गेरतपुर के रास्ते चलेगी।

उपरोक्त ट्रेनों का गोधरा-आणंद के बीच ठहराव नहीं है। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

CDSL IPF ने गुजरात में आयोजित किया निवेश जागरूकता कार्यक्रम, महिलाओं को आत्मनिर्भर निवेशक बनने के लिए किया प्रेरित

अहमदाबाद, 14 जून, 2024: **CDSL** इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फ़ंड **(CDSL IPF)** ने राजकोट, जामनगर और मोरबी के विभिन्न संस्थानों में महिला रिटेल निवेशकों के लिए निवेश जागरूकता संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए।

कार्यक्रमों का उद्देश्य वित्तीय साक्षरता में सुधार लाना और महिलाओं को निवेश संबंधी बेहतर निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाना था, जिससे उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त होगी। सत्रों में निवेश के मूल सिद्धांतों पर गहन चर्चा की गई और वक्ताओं ने निवेश अवधारणाओं को सरल बनाया। यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस पहल का फायदा अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे, इस कार्यक्रम को मराठी, अंग्रेजी और हिंदी मंग आयोजित किया गया।

पूंजी बाजार में वित्तीय समावेशन को हासिल करने की दिशा में निवेशकों का शिक्षित होना बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए **CDSL** इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फ़ंड का उद्देश्य निवेशकों को वह ज्ञान और कौशल प्रदान करना है, जिसकी उन्हें पूंजी बाजारों की जटिलताओं का आत्मविश्वास के साथ सामना करने और क्षआत्मनिर्भर निवेशक बनने के लिए आवश्यकता है।

वित्तीय साक्षरता फैलाने के लिए प्रतिबद्ध **CDSL** इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फ़ंड इस वर्ष गुजरात और पूरे भारत में और अधिक निवेशक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना जारी रखेगा।

श्री सुमित ठाकुर ने वडोदरा मंडल के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) का पदभार ग्रहण किया

श्री सुमित ठाकुर **(IRSE)** ने 13 जून, 2024 को पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। श्री ठाकुर 2009 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारी हैं और इस नियुक्ति से पहले आप मुंबई के चर्चगेट स्थित मुख्यालय कार्यालय में पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के रूप में कार्यरत थे।

श्री ठाकुर ने विशेष रूप से मानसून के मौसम के दौरान मुंबई की उपनगरीय ट्रेनों के ट्रैक रखरखाव और सुचारू संचालन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों को पूरा किया है। मुंबई सेंट्रल मंडल के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (साउथ) के रूप में आपने विशेष रूप से पश्चिम रेलवे के मुंबई उपनगरीय खंड पर संवेदनशील बाढ़ वाले स्थानों की उपयुक्त पहचान सुनिश्चित की और वर्ष 2018 और 2019 के दौरान सर्वोत्तम अनुकूलित समाधानों के साथ उन्हें ठीक करने का दायित्वच निभाया, जिसे प्रशासन द्वारा विभिन्न स्तरों पर बहुत सराहा गया था। श्री ठाकुर ने उन्नत इंजीनियरिंग मानकों के साथ यात्रा की गुणवत्ता में सुधार और व्यवस्थित योजना और मेगा ब्लॉकों के प्रभावी निष्पादन के माध्यम से ट्रैक के रखरखाव में सुधार के लिए वर्ष 2015 और 2019 में प्रतिष्ठित महाप्रबंधक पुरस्कार सहित विभिन्न पुरस्कार जीते। पश्चिम रेलवे के मुख्यय जनसंपर्क अधिकारी के रूप में आपने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखे, जिससे रेलवे के लिए सकारात्मक प्रचार हुआ। आपने चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे के प्रधान कार्यालय की इमारत के 125 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्यह में एक माह तक चले आयोजन की सफलता में भी अपना बहुमूल्य योगदान दिया। उल्लेखनीय है कि श्री ठाकुर को जनसंपर्क में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए 2021 में प्रतिष्ठित रेल मंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। आपको पब्लिक रिलेशंस काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा दिए जाने वाले एंजल कम्युनिकेटर्स पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

श्री ठाकुर ने वर्ष 2009 में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना से सिविल इंजीनियरिंग में बी.टेक. की डिग्री प्राप्त की है। आपने वर्ष 2011 में आईआईटी दिल्ली से स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में मास्टर्स भी किया है। श्री ठाकुर ने वर्ष 2017 में जापान में हाई-स्पीड ट्रेनों के संबंध में विशेष प्रशिक्षण पाठयक्रम पूरा किया है। संगीत, फ़िल्म और खेल के क्षेत्र में रचनात्मक उत्कृष